साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 27 • कठुआ, शनिवार 29 नवंबर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रूपए

यूएनएससी में सुधार अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि ज़रूरत है : प्रधानमंत्री मोदी

सबका जम्मू कश्मीर

जोहान्सबर्ग : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि न्छ सिक्योरिटी काउंसिल में सुधार अब कोई ऑप्शन नहीं, बल्कि ज़रूरत है और उन्होंने ज़ोर दिया कि इंडिया–ब्राज़ील–साउथ अफ्रीका की तिकड़ी को ग्लोबल गवर्नेंस के इंस्टीट्यूशन में बदलाव के लिए एक साफ़ मैसेज भेजना चाहिए।

यहां इंडिया–ब्राजील–साउथ अफ्रीका लीडर्स समिट को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया बिखरी हुई और बंटी हुई लग रही है, प्ठै। एकता, सहयोग और मानवता का संद. `श दे सकता है।

उन्होंने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए प्ठै। छैं।–लेवल मीटिंग को

इंस्टीट्यूशनल बनाने का भी प्रस्ताव रखा।

मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज की मौजूदगी में हुई मीटिंग में कहा, "आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें करीबी तालमेल के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

इतने गंभीर मुद्दे पर किसी भी तरह के दोहरे मापदंड की कोई जगह नहीं है।" इनासियो लूला दा सिल्वा.

इंसानी विकास को पक्का करने में टेक्नोलॉजी की अहम भूमिका पर ज़ोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने तीनों देशों के बीच न्च्प् जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, ब्वॅप्छ जैसे हेल्थ प्लेटफॉर्म , साइबर सिक्योरिटी फ्रेमवर्क और महिलाओं के नेतृत्व वाली टेक पहल को शेयर करने में मदद के लिए श्प्ठै। डिजिटल इनोवेशन अलायंसश बनाने का भी

■ शेष पेज 2...

कल सिंध भारत में वापस आ सकता है : राजनाथ ने आडवाणी के बंटवारे के दुख को याद किया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : बंटवारे के बावजूद सिंध के भारत के साथ सभ्यतागत जुड़ाव पर ठश्रच् के बड़े नेता लालकृष्ण आडवाणी की बातों को याद करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि ष्सीमाएं बदल सकती हैंष् और ष्कल सिंध भारत में वापस आ सकता हैष्।

यहां सिंधी समुदाय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने भाषण में उन्होंने कहा कि ष्आडवाणी जी ने अपनी एक किताब में लिखा है कि सिंधी हिंदू, खासकर उनकी पीढ़ी के लोग, अभी भी सिंध को भारत से अलग करने की बात को स्वीकार नहीं कर पाए हैं। पाकिस्तान 1947 में तब के अविभाजित भारत के बंटवारे की वजह से बना था, और सिंधु नदी के पास का सिंध इलाका तब से पाकिस्तान का हिस्सा है।

ष्सिर्फ सिंध में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में हिंदू सिंधु नदी (हिंदी में सिंधु) को पवित्र मानते थे। सिंध में कई मुसलमान भी मानते थे कि सिंधु नदी का पानी मक्का के आब–ए–ज़मज़म (सबसे पवित्र पानी) से कम पवित्र नहीं है।

उन्होंने कहा, ष्यह आडवाणी जी का कोट है। आज सिंध की ज़मीन भले

■ शेष पेज 2...

सहानुभूति रखने वालों और युवाओं में कट्टरता को ज़ीरो टॉलरेंस : एलजी ने अधिकारियों से कहा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्म : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को यहां एक हाई–लेवल सिक्योरिटी रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की, जिसमें अधिकारियों को टेरर सिम्पैथाइज़र और युवाओं को रेडिकलाइज़ करने की को. शिश करने वालों के खिलाफ ष्सबसे सख्त कार्रवाईष् करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों से आतंकवादियों के खिलाफ इंटेलिजेंस ऑपरेशन तेज करने और आतंकी संगठनों द्वारा कट्टरता और फंडिंग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नजर रखने के लिए ठोस कोशिशें करने को भी कहा।

जम्मू और कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू , डीजीपी नलिन प्रभात , विशेष महा. निदेशक (समन्वय), पुलिस मुख्यालय, एसजेएम गिलानी , प्रमुख सचिव (गृह) चंद्राकर एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि भारती और ।क्ळच्, ब्प्क्, नीतीश कुमार मीटिंग में शामिल हुए।

मीटिंग में बोलते हुए, स्ळ ने जम्मू–कश्मीर पुलिस को उसकी बारीकी से जांच और पूरे भारत में फैले आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में तेज़ी से कार्रवाई करने के लिए बधाई दी, जिसे कथित तौर पर इस महीने की शुरुआत में ष् रेडिकलाइज़्ड डॉक्टरोंष् का एक ग्रुप चला रहा था।

सिन्हा ने कहा, ष्टेरर फाइनेंसिंग, नार्को –टेरर लिंक, ओवर–ग्राउंड वर्कर्स (व्ळॅ) और हमदर्दों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई के साथ काउंटर–टेररिज्म के लिए हमारा 360–डिग्री अप्रोच आतंकवादियों को पूरे सपोर्ट स्ट्रक्चर को खत्म करने पर फोकस है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो–टॉलरेंस पॉलिसी पर ज़ोर देते हुए कहा, ष्हमारी मिलकर की गई कोशिशों से यह पक्का होगा कि जम्मू–कश्मीर से टेरर इकोसिस्टम के बचे हुए हिस्से पूरी तरह खत्म हो जाएं। प्रवक्ता के अनुसार, एलजी के प्रधान सचिव मंदीप के भंडारी ,

■ शेष पेज 2...

सरकार ने सुधारों की शुरुआत की, सभी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए 4 श्रम संहिताएँ लागू कीं

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : श्रम कानूनों में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए सरकार ने शुक्रवार को सभी चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया, जिससे प्रमुख सुधारा. ` की शुरुआत हुई, जिसमें गिग श्रमिकों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज, सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य नियुक्ति पत्र और सभी क्षेत्रों में वैधानिक न्यूनतम मजदूरी और समय पर भुगतान शामिल हैं।

चार श्रम संहिताएं – मजदूरी संहिता (2019, औद्योगिक संबंध संहिता (2020), सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020) और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता (2020) – शुक्रवार से प्रभावी, 29 खंडित कानूनों को एकीकृत, आधुनिक ढांचे के साथ प्रतिस्थापित करती हैं। सुधारों में महिलाओं के लिए विस्तारित अधिकार और सुरक्षा शामिल हैं, जिसमें रात्रि पाली में काम, 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच, खतरनाक प्रक्रिया इकाइयों सहित अखिल भारतीय ईएसआईसी कवरेज और एकल पंजीकरण, लाइसेंस और वापसी प्रणाली शामिल है।

ये संहिताएं, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर सोशल

■ शेष पेज 2...

अमित शाह ने कहा, एक एक घुसपैठिये को चुन चुन कर बाहर निकालेंगे राष्ट्रव्यापी सर लोकतंत्र की रक्षा की एक कवायद है

सबका जम्मू कश्मीर

भुज (गुजरात) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को देश के नागरिकों से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की चल रही राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया का पूरा समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया देश और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवश्यक है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ष्हर एक घुसपैठिएष् को मतदाता सूची से हटाया जाएगा।

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

यूएनएससी में...

प्रस्ताव रखा।

शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सोलर एनर्जी जैसे सेक्टर में 40 देशों में प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करने में प्ठै। फंड के काम की तारीफ़ करते हुए, उन्होंने साउथ–साउथ सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर के लिए प्ठै। फंड का प्रस्ताव रखा।

मोदी ने प्ठै। मीटिंग को सही समय पर बताया क्योंकि यह अफ्रीका की धरती पर पहले ळ20 समिट के साथ हुई और ग्लोबल साउथ देशों द्वारा लगातार चार ळ20 प्रेसीडेंसी का अंत हुआ, जिनमें से आखिरी तीन प्ठै। सदस्यों ने कीं।

उन्होंने कहा कि इसके नतीजे में ह्यूमन–सेंट्रिक डेवलपमेंट, मल्टीलेटरल रिफॉर्म और सस्टेनेबल ग्रोथ पर फोकस्ड कई ज़रूरी इनिशिएटिव हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्ठै। सिर्फ़ तीन देशों का ग्रुप नहीं है, बल्कि तीन कॉन्टिनेंट्स, तीन बड़े डेमोक्रेटिक देशों और तीन बड़ी इकॉनमी को जोड़ने वाला एक ज़रूरी प्लैटफ़ॉर्म है।

मोदी ने प्ठै। लीडर्स को अगले साल भारत में होने वाले ।ए इम्पैक्ट समिट में भी बुलाया, साथ ही उन्होंने ग्रुप की सुरक्षित, भरोसेमंद और ह्यूमन–सेंट्रिक ।ए नॉर्म्स के डेवलपमेंट में योगदान देने की क्षमता पर भी ज़ोर दिया ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्ठै। एक दूसरे के विकास में मदद कर सकता है और सस्टेनेबल ग्रोथ के लिए एक उदाहरण बन सकता है।

उन्होंने बाजरा, नेचुरल खेती, आपदा से निपटने की क्षमता, ग्रीन एनर्जी, पारंपरिक दवाइयां और हेल्थ सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग के मौकों पर ज़ोर दिया।

कल सिंध भारत ...

ही भारत का हिस्सा न हो, लेकिन सभ्यता के हिसाब से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। और जहां तक ज़मीन की बात है, बॉर्डर बदल सकते हैं। कौन जानता है, कल सिंध भारत में वापस आ जाए। सिंध के हमारे लोग, जो सिंधु नदी को पवित्र मानते हैं, हमेशा हमारे अपने रहेंगे; वे कहीं भी हों, वे हमेशा हमारे रहेंगे।ष

हालांकि, सिंह ने उस किताब का टाइटल नहीं बताया जिसका वह ज़िक्र कर रहे थे।

2017 में, आडवाणी, जो डिप्टी प्राइम मिनिस्टर भी रह चुके थे, ने दिल्ली में एक इवेंट में कहा था, ष्मेरा मानना है कि सिंध के बिना भारत अधूरा लगता है।ष

आडवाणी, जिनका जन्म 8 नवंबर, 1927 को सिंध प्रांत (अब पाकिस्तान में) की राजधानी कराची में हुआ था, ने दुख जताया था कि उनका जन्मस्थान अब भारत का हिस्सा नहीं है।

रविवार को अपने भाषण में राजनाथ सिंह ने कहा कि बंटवारे के बाद सिंधु नदी का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान की तरफ चला गया और पूरा सिंध प्रांत पाकिस्तान में है।

रक्षा मंत्री ने कहा, ष्लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे लिए सिंधु, सिंध और सिंधी का महत्व कम हो गया है। यह आज भी उतना ही महत्व रखता है जितना हजारों साल पहले रखता था।ष

उन्होंने कहा कि सिंध शब्द भारत और सिंधी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा है।

राष्ट्रगान का ज़िक्र करते हुए सिंह ने कहा कि ष्आज भी लोग गर्व से गाते हैं, श...पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठाश, और वे गाते रहेंगे, और हमेशा गाते रहेंगे, और जब तक हम रहेंगे तब तक गाते रहेंगे।ष

अमित शाह ने...

गुजरात के भुज के हरिपुर में सीमा सुरक्षा बल के 61वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ष्मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि हम इस देश में से एक के घुसपैठिये को चुन–चुन कर बाहर निकालेंगे, यह हमारा प्रण है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसी भी दल का नाम लिए बिना शाह ने कहा कि ष्कुछ राजनीतिक दलष तथाकथित घुसपैठियों के सफाए के अभियान को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने उन्हें आगाह भी किया कि बिहार चुनाव में एनडीए को पहले ही जनादेश मिल चुका है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ष्दुर्भाग्य से, कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों के सफाए के अभियान को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। ये राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग की मतदाता सूची के संशोधन का विरोध कर रहे हैं।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण पर विश्वास व्यक्त करते हुए, शाह ने कहा कि एसआईआर ष्देश और हमारे लोकतंत्र की रक्षा करने की एक प्रक्रियाष है और उन्होंने सभी से चुनाव आयोग द्वारा की जा रही इस प्रक्रिया का समर्थन करने की अपील की।

उन्होंने कहा, ष्आज मैं देश की जनता से अपील करना चाहता हूँ कि वे चुनाव आयोग द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया का पूरा समर्थन करें। मैं घुसपैठियों को संरक्षण देने में शामिल राजनीतिक दलों को चेतावनी देना चाहता हूँ कि बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश है।

अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई गई बहादुरी के लिए बीएसएफ और सशस्त्र बलों की भी प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, ष्बीएसएफ और सेना की बहादुरी के कारण कुछ ही दिनों में पाकिस्तान ने (ऑपरेशन सिंदूर के दौरान) एकतरफा युद्धविराम की घोषणा कर दी और इससे पूरी दुनिया को यह स्पष्ट हो गया कि भारत की सीमा और सुरक्षा बलों के साथ समझौता नहीं किया जाना चाहिए; अन्यथा उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।ष

बीएसएफ दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है, जिसमें 2.7 लाख से अधिक कर्मी कार्यरत हैं और छह दशकों से भी अधिक समय से इसने देश की सुदृढ़ सुरक्षा सुनिश्चित की है।

वर्तमान में बीएसएफ के पास 193 (03 एनडीआरएफ सहित) बटालियन और सात बीएसएफ आर्टिलरी रेजिमेंट हैं जो पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा की रक्षा करती हैं।

सीमा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए भारत–पाकिस्तान युद्ध के बाद 1965 में इस बल की स्थापना की गई थी। प्रारंभ में, बीएसएफ की स्थापना 25 बटालियनों के साथ की गई थी और समय के साथ, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र आदि में आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिए राष्ट्र की आवश्यकता के अनुसार इसका विस्तार किया गया।

सरकार ने सुधारा...

मीडिया पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा, ष्सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, मजदूरी का न्यूनतम और समय पर भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए पारिश्रमिक अवसरों के लिए एक मजबूत आधार के रूप में काम करेंगी ... आज़ादी के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम–उन्मुख सुधार। यह हमारे श्रमिकों को अत्यधिक सशक्त बनाता है।

यह अनुपालन को भी सरल बनाता है और व्यापार करने में आसानीश को बढ़ावा देता है।

श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया के अनुसार, श्रम संहिताएँ रोज़गार को औपचारिक बनाएँगी, श्रमिक सुरक्षा को मज़बूत करेंगी और श्रम पारिस्थितिकी तंत्र को सरल, सुरक्षित और वैश्विक रूप से संरेखित बनाएँगी। अतिरिक्त प्रणालीगत सुधारों में एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन, लिंग–तटस्थ कार्य नीतियाँ, सहायक अनुपालन के लिए निरीक्षक–सह–सुविधाकर्ता मॉडल, दो–सदस्यीय न्यायाधिकरणों के माध्यम से तेज़ विवाद समाधान और सुरक्षा मानकों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए एक राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य बोर्ड शामिल हैं। सरकार अब विस्तृत नियम और योजनाएँ बनाने के लिए परामर्श शुरू करेगी।

परिवर्तन के दौरान, जहाँ भी आवश्यक होगा, मौजूदा श्रम कानूना. ें के प्रावधान लागू रहेंगे। सामाजिक–सुरक्षा कवरेज 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गया था। श्रम संहिताओं का प्रवर्तन अगले परिवर्तनकारी कदम का प्रतीक है – श्रमिक सुरक्षा का विस्तार, व्यावसायिक संचालन को आसान बनाना और एक श्रमिक–समर्थक श्रम पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना। श्रम मंत्रालय के अनुसार , बयान के अनुसार, ये संहिताएं आत्मनिर्भर भारत की नींव रखती हैं।

वंदे मातरम् केवल उद्घोष नहीं दुनिया के शीर्ष 10 गीतों में सर्वाधिक लोकप्रिय दूसरा गीत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बंगाल के कांतलपाड़ा गांव में जब 7 नवंबर, 1876 में वंदे मातरम् गीत की रचना की तब उनके मानस में शायद ही यह होगा कि यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के दिवानों का प्रेरक होने के साथ ही आजादी के बाद भी देश की राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के प्रति प्रेम और श्रृद्धा का प्रतीक बन जाएगा। वंदे मातरम् में जिस तरह से मॉ भारती की स्तुति की गई है वह हमारी पहचान और गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम बन गई। 1870 के भयंकार अकाल और अंग्रेजों द्वारा महारानी की शान में गौड़ सेव क्वीन के लिए बाध्य करने की प्रतिक्रिया के रुप में वंदे मातरम् की आधार भूमि तैयार हुई। कुछ समय बाद ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंद मठ में वंदे मातरम् को प्रमुख स्थान दिया गया। आनंद मठ भी गुलामी से मुक्ति और अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की भावना से ओतप्रा. ेत उपन्यास होने से आजादी के आंदोलन ही नहीं आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

आनंद मठ में भवानन्द संन्यासी संन्यासी विद्रोहियों का नेतृत्व करते हुए यह गीत गाते हैं। वंदे मातरम् गीत की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि गुरुवर रविन्द्र नाथ टैगोर ने 1896 के कांग्रेस के सम्मेलन में इसे अपने स्वर देते हुए स्वयं गाया। उसके बाद तो वंदे मातरम् भारत की आत्मा ही बन गया। स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों के लिए तो वंदे मातरम् जयघोष ही बन गया। 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध का मार्च गीत ही वंदे मातरम् रहा। हालांकि वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिम लीग आदि ने सां. प्रदायिकता, धर्म विशेष से प्रेरित और मां दुर्गा को लेकर विरोध व्यक्त किया गया और यही कारण रहा कि वंदे मातरम् गीत के आरंभिक दो छंदों को ही कांग्रेस द्वारा राष्ट्रगीत के रुप में स्वीकारा गया। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि आजादी के अमृत काल में हम वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष को मनाने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों मन की बात में देशवासियों से संवाद कायम करते हुए वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष पर आयोजनों की श्रृंखला के माध्यम से आज की पीढ़ी को वंदे मातरम् के इतिहास और प्रेरकता से रुबरु कराने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् भले ही 19 वीं शताब्दी में लिखा गया था लेकिन इसकी भावना भारत के हजारों वर्ष पुरानी अमर चेतना से जुड़ी थी। वेदों में जिस भाव से माता भूमि पुत्रों अहम् पृथिव्या भाव से जुड़ा है।

1950 में वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रुप में अपनाया गया। 1950 में ही जदुनाथ भट्टाचार्य ने वंदे मातरम् को संगीत दिया।

जनगणमन जहां राष्ट्रगान है और औपचारिक आयोजनों में राष्ट्रगान को गाया जाता है और उसके अपने प्रोटोकाल है वहीं राष्ट्रगीत किसी भी राष्ट्रीय अवसर पर गाया जा सकता है। वंदे मातरम् केवल गीत या उद्घोष ना होकर 140 करोड़ देशवासियों को एकजुट करने, राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत करने और सनातन भारतीय संस्कृति से रुबरु कराने का माध्यम है। भारत भूमि की सनातन सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम है वंदे मातरम्।

एलजी सिन्हा ने सीमा पार से गोलाबारी से प्रभावित परिवारों के लिए राजौरी में घरों के निर्माण का शुभारंभ किया

सबका जम्मू कश्मीर

राजौरी/जम्मू : जम्मू– कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को राजौरी ज़िले में उन परिवारों के लिए एक आवास परियोजना का शुभारंभ किया, जिनके घर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी में नष्ट हो गए थे।

अधिकारियों के अनुसार, परियोजना के पहले चरण में 388 पूर्वनिर्मित घर बनाए जाएँगे। प्रत्येक इकाई में तीन कमरे होंगे और मुफ़्त बीमा कवर, पाँच साल तक मुफ़्त रखरखाव और निवा. सियों के लिए नियमित चिकित्सा जाँच की सुविधा होगी। नौशेरा उपखंड में नियंत्रण रेखा (एलआ. ेसी) पर स्थित सरयाह झांगर गाँव में उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि यह पहल प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए सरकार के निरंतर प्रयास का हिस्सा है। इस परियोजना को श्रीमठ स्वामी आत्मा नंबी के नेतृत्व वाले एक गैर–सरकारी संगठन, एचआरडीएस इंडिया द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

सिन्हा ने कहा, हमने देश भर में आपदा प्रभावित लोगों के लिए घर बनाने वाले एक गैर–सरकारी संगठन से अनुरोध किया था कि वे यहाँ भी घर बनाने की व्यवस्था करें।

उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले कश्मीर के संभागीय आयुक्त, जम्मू के संभागीय आयुक्त और एनजीओ के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके तहत 1,500 नए घर बनाए जाएँगे।

उन्होंने कहा, राजौरी में आज 388 घरों की आधारशिला रखी गई है और ये छह महीने के भीतर पूरे हो जाएँगे।क्पेबवअमत उवतम

सिन्हा ने बताया कि प्रत्येक घर की औसत लागत लगभग 9.80 लाख रुपये है। उन्होंने कहा, भारत सरकार द्वारा एसडीआरएफ के माध्यम से प्रदान की गई 2 लाख रुपये की सहायता – चाहे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गोलाबारी से प्रभावित लोगों के लिए हो या बाढ़ से – घर बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है।ष उन्होंने संकट से प्रभावित लोगों को आश्रय प्रदान करने का निर्णय लेने के लिए एनजीओ के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपराज्यपाल ने प्रभावित परिवारों से भी बातचीत की और उन्हें प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने निवासियों को बताया कि पहले से प्रदान की गई राहत के अलावा, पूर्ण पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए एनजीओ के माध्यम से और सहायता की व्यवस्था की जा रही है।

ट्रैफिक डिपार्टमेंट से जम्मू और श्रीनगर में टेक्नोलॉजी का असरदार इस्तेमाल करने को कहा गया

सबका जम्मू कश्मीर

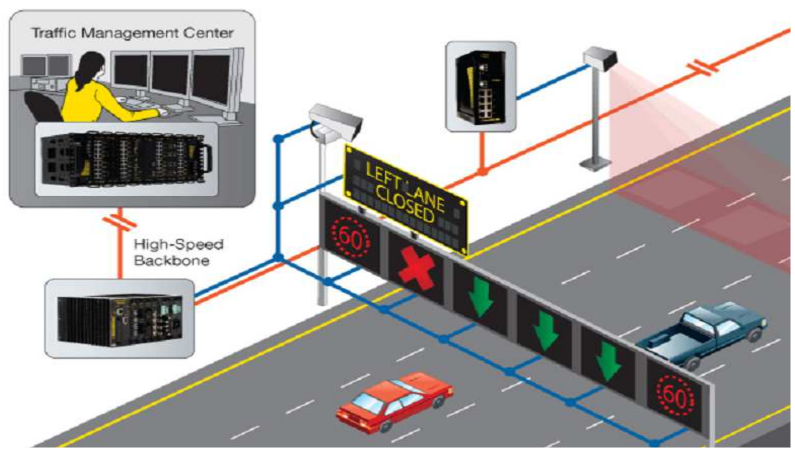

कम इस्तेमाल पर चिंता जताते हुए , जम्मू–कश्मीर सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने रविवार को ट्रैफिक डिपार्टमेंट को जम्मू और श्रीनगर राजधानी शहरों में टेक्नोलॉजी का अच्छे से इस्तेमाल करने का निर्देश दिया।

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने कहा कि ये सिस्टम कम से कम इंसानी दखल के ज़रिए ट्रैफिक मैनेजमेंट को मॉडर्न बनाने और ट्रैफिक नियमों को लागू करने में कुशलता बढ़ाने के लिए शुरू किए गए थे।

डुल्लू ने यह बात केंद्र शासित प्रदेश में सड़क सुरक्षा के लिए इलेक्ट्रॉनिक एनफोर्समेंट सिस्टम को लागू करने और उनकी स्थिति का रिव्यू करने के लिए एक हाई–लेवल मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए कही। इसका मकसद ट्रैफिक मैनेजमेंट को बेहतर बनाना और जनता के लिए ज़्यादा आसानी पक्का करना है। इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिस्टम के सबसे अच्छे इस्तेमाल की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए , डुल्लू ने ट्रैफिक डिपार्टमेंट को जम्मू और श्रीनगर में प्ज्डै और प्ज्ै का अच्छे से इस्तेमाल करने का निर्देश दिया।

उन्होंने इन सिस्टम के कम इस्तेमाल पर चिंता जताई और कहा कि इससे वह मकसद ही खत्म हो जाता है जिसके लिए इतना एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया गया था।

चीफ सेक्रेटरी ने संबंधित डिपार्टमेंट से प्ज्डै और प्ज्ै को तुरंत ठीक करने, अपग्रेड करने और पूरी तरह से चालू करने को कहा, ताकि बिना रुकावट और लोगों के लिए आसान ट्रैफिक मूवमेंट हो सके।

दोनों शहरों में लगे कैमरों और ट्रैफिक लाइटों के काम करने के तरीके पर ध्यान देते हुए, उन्होंने खराब हार्डवेयर की मरम्मत, बदलने और फिर से लगाने का निर्देश दिया ताकि सिस्टम ठीक से और लगातार काम करे। रूरल प्ज्डै के बारे में, डुल्लू ने अनंतनाग , बारामूला , कठुआ , उधमपुर और सांबा जैसे जिलों के खास जंक्शनों तक इलेक्ट्रॉनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट को बढ़ाने की अहमियत पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा, ष्ऐसे सिस्टम ट्रैफिक फ्लो को काफी बेहतर बना सकते हैं, भीड़ कम कर सकते हैं और ज़रूरी चौराहों पर सेफ्टी बढ़ा सकते हैं, भले ही हाईवे कंस्ट्रक्शन उसी समय चल रहा हो, और सिस्टम के काम करने के तरीके में कोई बड़ी रुकावट न आए। आयुक्त सचिव, आवास और शहरी विकास, मंदीप कौर ने मीटिंग में बताया कि सभी मौजूदा प्ज्ै जंक्शनों को पूरी तरह से ठीक करने और मॉडर्न बनाने के लिए 1.88 करोड़ रुपये की एक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि दिसंबर तक सभी प्ज्ै और प्ज्डै जंक्शनों को पूरी तरह से चालू करने का लक्ष्य है। इसकी वर्तमान स्थिति के संबंध में, यातायात महानि. रीक्षक एम सुलेमान चौधरी ने कहा कि जम्मू और श्रीनगर में प्ज्डै 2024 में चालू हो जाएगा, जिसमें जम्मू में 44 जंक्शनों पर 552 कैमरे और श्रीनगर में 68 जंक्शनों पर 828 कैमरे लगाए जाएंगे।

पुलिस ने बडगाम में ड्रग पेडलरस की करीब 35 लाख रूपये की प्रॉपर्टी अटैच की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर पुलिस ने रविवार को बडगाम जिले में एक ड्रग तस्कर की लगभग 35 लाख रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह संपत्ति – मगाम इलाके में एक दो मंजिला मकान – हिलाल अहमद मीर उर्फ हिलाल गलवान की है, जो छक्ै मामले में आरोपी है।

प्रवक्ता ने कहा, ष्पुलिस ने कुख्यात ड्रग तस्कर की लगभग 35 लाख रुपये की अचल संपत्ति और एक कार जब्त की है।ष्

अधिकारी के अनुसार, जांच में पता चला कि आरोपी ने यह प्रॉपर्टी ष्गैर–कानूनी नशीली दवाओं की तस्करी से हुई कमाईष् से बनाई थी।

उन्होंने कहा, ष्कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए और ठोस सबूतों के आधार पर, प्रॉपर्टी और गाड़ी को छक्ै एक्ट की धारा 68–थ्र के तहत औपचारिक रूप से ज़ब्त कर लिया गया।ष्

अधिकारी ने कहा कि यह कार्रवाई जम्मू–कश्मीर पुलिस की ड्रग तस्करी के प्रति पक्की प्रतिबद्धता और ज़ीरो–टॉलरेंस पॉलिसी को और मज़बूत करती है, और उन्होंने लोगों से ड्रग–पेडलिंग से जुड़ी कोई भी जानकारी शेयर करने की अपील की।

ऑपरेशन सिंदूर में हमने जोरदार प्रहार किया; उकसाने पर और भी जोरदार प्रहार करेंगे : पश्चिमी कमांड के जीओसी और इन और चीफ ने पाकिस्तान को चेतावनी दी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : वेस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कलियार ने कहा कि बड़े पैमाने पर होने वाली कॉम्बैट रेडीनेस एक्सरसाइज श्राम प्रहारश को दुश्मन की किसी भी दुश्मनी भरी हरकत की हालत में भारत के रिस्पॉन्स सिस्टम को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लेफ्टिनेंट जनरल कलियार ने कहा कि सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन को पहले ही "काफी नुकसान" पहुंचाया है, और नई एक्सरसाइज की तैयारी का मकसद ज़रूरत पड़ने पर और भी मज़बूत जवाबी कार्रवाई करना है।

उन्होंने कहा, "आप सब जानते हैं कि हमने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन को काफी नुकसान पहुंचाया था। अब हम यह भी जानते हैं कि दुश्मन कुछ ऐसा करने की कोशिश कर सकता है जिसका हमें फिर से जवाब देना पड़ सकता है। और जैसा कि हमारी लीडरशिप ने कहा है कि अगर दुश्मन कोई गलत काम करता है या कुछ करने की हिम्मत करता है, तो जवाब पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत होगा। यह तैयारी उसी जवाब के लिए है।" इससे पहले, लेफ्टिनेंट जनरल कलियार ने गंगा नदी के किनारे एक सिंबॉलिक रस्म की, जिसमें मेगा मिलिट्री ड्रिल से पहले आशीर्वाद मांगा गया। उन्होंने कहा, "कहा जाता है कि कोई भी काम शुरू करने से पहले, मां गंगा का आशीर्वाद ज़रूरी होता है। हमारा मानना है कि जब हम आगे के कामों की तैयारी करते हैं तो उनका आशीर्वाद हमारे साथ होता है।" इस बीच, आर्मी ने श्ईयर ऑफ़ टेक्नोलॉजी एब्ज़ॉर्प्शनश के तहत अपने चल रहे इंडिजिनाइज़ेशन प्रोग्राम में बड़ी तरक्की की घोषणा की, जो इम्पोर्टेड डिफेंस सिस्टम पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

गीता उलझन में पड़ी दुनिया के लिए जवाब देती है : मोहन भागवत

महोत्सव को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि लोगों को गीता को जीने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा, "हम यहां इसलिए हैं क्योंकि गीता को सिर्फ पढ़ना नहीं, बल्कि जीना है। इसके 700 श्लोकों को पढ़ना, उन पर सोचना और उन्हें अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में अपनाना चाहिए।"

कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में अर्जुन की दुविधा और आज के ग्लोबल हालात के बीच तुलना करते हुए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ै) चीफ ने कहा कि दुनिया आज "खोई हुई, थकी हुई और दिशाहीन" है, भले ही दुनिया में तरक्की हो गई हो। उन्होंने कहा, "धन और आराम तो है, लेकिन शांति नहीं, संतोष नहीं, नैतिक स्पष्टता नहीं।"

भागवत ने कहा कि भारत के पुराने ज्ञान ने हज़ारों सालों तक दुनिया को रास्ता दिखाया है और गीता उस ज्ञान का निचोड़ है।

उन्होंने कहा, ष्जैसे कृष्ण ने अर्जुन का कन्फ्यूजन दूर किया, वैसे ही गीता आज मानवता को उसकी चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकती है।ष्

भागवत ने कहा कि गीता हमें समस्याओं से भागने के बजाय उनका सामना करते समय हिम्मत रखने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा, "कृष्ण अर्जुन से कहते हैं – श्भागो मत। डटे रहो, समस्या का सामना करो और बिना अहंकार या डर के काम करोश।"

ै प्रमुख ने कहा कि सच्ची ताकत निस्वार्थ भाव से अपना कर्तव्य पूरा करने में है। उन्होंने कहा, "स्वार्थी इरादे से किए गए बड़े कामों से कोई फायदा नहीं होता। दूसरों की भलाई के लिए किए गए छोटे–छोटे काम भी बहुत कीमती होते हैं।"

भागवत ने यह भी कहा कि भारत की सभ्यता की पहचान हज़ारों सालों से शान और मुश्किलों, दोनों में बनी हुई है।

उन्होंने कहा, "भारत कभी दुनिया का लीडर था। इसने सदियों तक हमले झेले और अब भी खड़ा है। फिर से उठने के लिए, हमें अपनी पहचान समझनी होगी।" आरएसएस प्रमुख ने लोगों से गीता पढ़ने, उसका मतलब समझने और धीरे–धीरे उसकी शिक्षाओं को अपनी ज़िंदगी में अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा, "अगर हम गीता को अपनाएंगे, तो हमारी ज़िंदगी बदलेगी, समाज बदलेगा और भारत फिर से विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ेगा।"

वर्ल्ड हेरिटेज वीक 2025 : अनाथ बच्चों ने हेरिटेज साइट्स को एक्सप्लोर किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : विश्व विरासत सप्ताह समारोह के दौरान एक अनूठी पहल में, अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, जम्मू और कश्मीर ने अपने निदेशक कुलदीप की देखरेख में कृष्ण सिद्धा ने शनिवार को वेद के बच्चों का एक बड़ा दौरा करवाया। मंदिर बाल निकेतन , अनाथालय अंबफला , डोगरा आर्ट म्यूज़ियम और बहू फोर्ट जम्मू ले जाया गया ताकि उन्हें जम्मू और कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया जा सके। डिपार्टमेंट ने अपने स्टाफ के साथ लगभग 60 बच्चों के लिए यह खास विज़िट ऑर्गनाइज़ की। बच्चों को बहू फोर्ट और म्यूज़ियम की अलग–अलग गैलरी का गाइडेड टूर कराया गया ताकि उन्हें उनके इतिहास और अतीत के महत्व के बारे में पता चल सके।

इस विज़िट के दौरान, स्टूडेंट्स ने इंटरैक्टिव डिस्प्ले देखे, कुछ अजीब सवाल पूछे और हर एग्ज़िबिट की अहमियत के बारे में जाना। इस विज़िट का मकसद स्टूडेंट्स का नज़रिया बढ़ाना, उनकी जिज्ञासा जगाना, उनकी कल्पना को बढ़ावा देना और उन्हें अपने कल्चर और इतिहास से परिचित कराना था। इस मौके पर, डायरेक्टर ने स्टूडेंट्स से कहा कि वे अपने दोस्तों को हमारी कला, कल्चर और विरासत के बारे में बताने के लिए एंबेसडर बनें।

इस मौके पर बोलते हुए, सिद्धा ने आने वाली पीढ़ियों के लिए म्यूज़ियम और मॉन्यूमेंट्स की अहमियत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि ये रिच कल्चरल हेरिटेज के रिपॉजिटरी हैं। यहां यह बताना ज़रूरी है कि वर्ल्ड हेरिटेज वीक सेलिब्रेशन को बड़े लेवल पर ऑर्गनाइज़ किया गया है, जिसमें हर दिन अलग–अलग प्रोग्राम होते हैं। इस इवेंट को मुकुल ने कोऑर्डिनेट और क्यूरेट किया था। मगोत्रा क्यूरेटर डोगरा कला संग्रहालय विभाग की सहायक निदेशक डॉ. संगीता शर्मा के मार्गदर्शन में ।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू में ड्रग तस्कर की संपत्ति कुर्क की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को जम्मू शहर के नरवाल इलाके में एक ड्रग तस्कर की संपत्ति नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत कुर्क कर ली।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जम्मू शहर के दक्षिण क्षेत्र में पुलिस ने जम्मू के नरवाल निवासी विशाल कुमार नामक ड्रग तस्कर की 15 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की। बयान में कहा गया है, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक बड़ी कार्रवाई में, जम्मू पुलिस, दक्षिण क्षेत्र ने विशाल कुमार की चल संपत्ति, यानी स्कॉर्पियो एस11, पंजीकरण संख्या श्रझ08ळ 3535, को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68(एफ) के तहत लगभग 15 लाख रुपये मूल्य की कुर्क/जब्ती की है। आरोपी विशाल कुमार, पुत्र राम सिंह, निवासी बूट पॉलिश मोहल्ला, राजीव नगर, नरवाल जिला जम्मू, के खिलाफ पुलिस स्टेशन बहू फोर्ट में धारा 8/21/22/25/27ए/29 एनडीपीएस अधिनियम और 111 बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 295/2025 दर्ज है।ष

संपत्ति की कुर्की एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, जांच अधिकारी, प्रभारी पुलिस चौकी नरवाल द्वारा की गई। उक्त अधिनियम के तहत कार्यवाही के तहत कुर्की का आद. `श जारी किया गया।

पुलिस के बयान में कहा गया है, ष्पूरा अभियान एसएसपी जम्मू की निगरानी और एसपी सिटी साउथ, एसडीपीओ सिटी ईस्ट और एसएचओ पीएस बहू फोर्ट के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। जम्मू पुलिस समाज से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दो. हराती है और कानून के तहत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी।

हिरासत में लिए गए आप विधायक की याचिका पर जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में अंतिम सुनवाई 4 दिसंबर को

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू– कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालय ने हिरासत में लिए गए आम आदमी पार्टी (आप) विधायक मेहराज मलिक द्वारा दायर याचिका को दलीलें सुनने के बाद 4 दिसंबर को अंतिम विचार के लिए सूचीबद्ध किया है, विधायक के कानूनी वकील के एक सदस्य ने गुरुवार को कहा।

मलिक, जो आप की जम्मू और कश्मीर इकाई के अध्यक्ष हैं, को सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के आरोप में 8 सितंबर को कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया था और बाद में कठुआ जेल में रखा गया था। 24 सितंबर को मलिक ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की, जिसमें उनकी नजर. बंदी को चुनौती दी गई और मुआवजे के रूप में 5 करोड़ रुपये का दावा किया गया। "गुरुवार को जम्मू में जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यूसुफ वानी की अदालत में मामला आया। बहस के दौरान, वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल पंथ ने दृढ़ता से तर्क दिया कि हिरासत के आधार अवैध हैं उन्होंने बताया कि दलीलें सुनने के बाद, न्यायमूर्ति वानी ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी और मामले की अंतिम सुनवाई 4 दिसंबर के लिए निर्धारित कर दी। सलाथिया एक वकील भी हैं और मलिक की कानूनी टीम का हिस्सा हैं, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल पंत, अधिवक्ता एसएस अहमद, एम तारिक मुगल और एम जुलकरनैन चौधरी भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री और शाह की मौजूदगी में नीतीश ने रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

सबका जम्मू कश्मीर

पटना : जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में रिकॉर्ड दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। भाजपा

अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में हुए राज्य चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी समारोह में शामिल होने आए थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कुमार और उनके 21 सदस्यीय मंत्रिमंडल को पद की शपथ दिलाई।

कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और राज्यपाल खान के समक्ष नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

"बिहार सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी सहयोगियों को मेरी हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की एक शानदार टीम है, जो बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उन सभी को मेरी शुभकामनाएं!" मोदी ने एक्स पर कहा।

मोदी, जिनके करिश्मे ने विधानसभा चुनावा. ` में एनडीए की भारी जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी, ने समारोह के अंत में भीड़ को खुश कर दिया, जब उन्होंने अपने विशिष्ट शैली में अपना श्गमछाश घुमाया।

गांधी मैदान में एक विशाल मंच बनाया गया था, जहाँ उपस्थित लोगों में एनडीए शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल थे, उनमें से प्रमुख थे एन चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश) और योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश), देवेंद्र फड़नवीस (महाराष्ट्र), हिमंत बिस्वा सरमा (असम) और रेखा गुप्ता (दिल्ली)।

इस अवसर पर शपथ लेने वालों में प्रमुख थे भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा, जो राज्य की पिछली एनडीए सरकार में उपमुख्यमंत्री थे।

कम से कम तीन मंत्री राज्य विधान परिषद के सदस्य हैं। ये हैं जदयू के राष्ट्रीय महासि. चव अशोक चौधरी, जो मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक हैं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन।

पुरस्कार विजेता निशानेबाज़ श्रेयसी सिंह, जो जमुई से लगातार दूसरी बार चुनी गई हैं, मंत्रिमंडल में नई सदस्य थीं।

मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद, जो चुनावी माहौल में भाजपा में शामिल हो गई थीं और औराई से निर्वाचित हुई थीं, को भी राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है।

जदयू से नौवीं बार विधायक बने बिजेंद्र प्रसाद यादव भी राज्य मंत्रिमंडल में वापस आ गए हैं।

इनमें से कोई भी केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोजपा और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी से नहीं है, जिनके पास क्रमशः 19 और चार मंत्री हैं। निवर्तमान सरकार में भाजपा के 15, जदयू के 12 (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) का एक और एक निर्दलीय उम्मीदवार शामिल थे।

लाल किला विस्फोट : एनआईए ने तीन डॉक्टरों और एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को तीन डॉक्टरों और एक उपदेशक को हिरासत में ले लिया, जिन्हें 10 नवंबर को लाल किले के बाहर हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें 15 लोग मारे गए थे, अधिकारियों ने कहा।

मुजम्मिल गनी, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ–साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को जम्मू–कश्मीर पुलिस ने विस्फोट के बाद गिरफ्तार किया था।

एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, ष्उन सभी ने उस आतंकी हमले में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।ष

उनकी हिरासत एनआईए को स्थानांतरित होने के साथ, जिसने औपचारिक रूप से 11 नवंबर को मामले को संभाल लिया, संघीय एजेंसी द्वारा बुक किए गए लोगों की संख्या छह हो गई है।

एनआईए पहले ही दो लोगों – आमिर राशिद अली और जसीर बिलाल वानी उर्फ घ्दानिश को

गिरफ्तार कर चुकी है वानी को तब गिरफ्तार किया गया जब यह पता चला कि उमर उसे आत्मघाती हमलावर बनने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा था। वह राजी तो नहीं हुआ, लेकिन कथित तौर पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के लिए एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करने के लिए तैयार हो गया।

गिरफ्तार किए गए लोगों पर एक श्सफेदपोशश आतंकी मॉड्यूल का केंद्र होने का आरोप है, जिसका भंडाफोड़ जम्मू–कश्मीर पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर किया था। जांच के दौरान फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय का पता चला, जहाँ से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया।

जीजीएम साइंस कॉलेज जुलाई 2025 बैच का हार्दिक स्वागत करता है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के जुलाई 2025 के लर्नर बैच के लिए इंडक्शन मीट प्रोग्राम ळळड साइंस कॉलेज, ैब्–12133 में सफलतापूर्वक हुआ, जिससे नए स्टूडेंट्स के लिए एकेडमिक सफ़र की शुरुआत हुई। इस इवेंट में प्ळछव्न् के रीजनल डायरेक्टर डॉ. संदीप गुप्ता चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थे। सबसे पहले, ळळड साइंस कॉलेज, जम्मू के प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने नए एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को वेलकम एड्रेस दिया। उन्होंने उन्हें शुभकामनाएं दीं और लगातार सीखने और स्किल बढ़ाने के लिए इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने के लिए मोटिवेट किया। इसके बाद, एलएससी–12133 के कोऑर्डिनेटर डॉ. पीएस ठाकुर ने सेंटर और उसके कामों के बारे में डिटेल में इंट्रोडक्शन दिया।

प्रोग्राम की कार्रवाई को इग्नू एलएससी–12133 के असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर प्रो. विशाल शर्मा ने अच्छे से कोऑर्डिनेट किया। चीफ गेस्ट, डॉ. संदीप गुप्ता ने एक इंस्पायरिंग स्पीच दी, जिसमें उन्होंने स्टूडेंट्स से बातचीत की और उन्हें प्ळछव्न् के काम करने के तरीके, जिसमें इसका फ्लेक्सिबल लर्निंग अप्रोच और एकेडमिक स्ट्रक्चर शामिल है, के बारे में अच्छी तरह से बताया। डिप्टी रीजनल डायरेक्टर, डॉ. आशा उपाध्याय ने भी स्टूडेंट्स से बातचीत की, उनके सवालों को ध्यान से सुना और उनका जवाब दिया, जिससे नए बैच के लिए क्लैरिटी और गाइडेंस पक्का हुआ। असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर, डॉ. मकीम अंसारी ने भी इवेंट के दौरान बात की। सफल इंडक्शन मीटिंग के दौरान मौजूद दूसरे लोगों में प्रो. संजय कुमार और प्रो. रोहित भारद्वाज शामिल थे।

लड़कियों की टांग तोड़ने के आह्वान से मनु की प्रेत–सिद्धि करती संघ की साध्वी

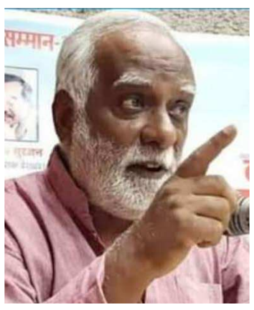

बादल सरोज

लगता है, कुनबे ने देश को इस दीवाली की सौगात देने का जिम्मा मालेगांव बम धमाकों में जांच एजेंसियों की 'लापरवाही' के चलते बरी हुई, इस आतंकी घटना की जांच करने वाली एटीएस के चीफ हेमंत करकरे की मुम्बई आतंकी हमलों में शहादत को अपने 'श्राप' का असर बताने और गांधी के हत्यारे गोडसे को 'देशभक्त' बताने वाली, भोपाल की पूर्व भाजपा सांसद , स्वयंसिद्धा 'साध्वी' प्रज्ञा सिंह ठाकुर को सौंपा हुआ था। उन्होंने इसे पूरे मनोयोग से निबाहा और जम्बूद्वीपे भारत खंडे की युवतियों और स्त्रियों के लिए बौछार ही कर दी। एक समारोह में ष्जय श्री रामष् के उद्घोष के बीच उन्होंने 'कहना न मानने वाली लड़कियों की टाँगें तोड़ देने' का आह्वान कर दिया। बोलीं कि "अगर हमारी लड़की हमारा कहना नहीं मानती है, किसी विधर्मी के यहां जाने का प्रयास करती है, तो उसकी टांगे तोड़ने में भी कोई कसर मत छोड़ना। जो संस्कारों, बातों से नहीं मानती है, तो उसे ताड़ना देनी पड़ती है।" प्रज्ञा सिंह ने ये भी कहा कि "ऐसी बच्चियां जो हठी हैं, माता–पिता की बात नहीं मानतीं, संस्कारों को नहीं मानती, घर से भागने को तैयार है उनके लिए सतर्क रहो, जागते रहो और ऐसी लड़कियों को मारकर, पीटकर, समझाकर और प्यार से जैसे भी हो, लेकिन जाने मत दो।" खुलेआम हिंसा का यह आपराधिक आह्वान करते हुए एक वाक्य में उन्होंने लड़कियों को 'मियांईन न बनने देने' की बात कहते हुए उस विष का छौंक बघार भी लगाया, जिस विष का इस कुनबे के पास भरपूर भण्डार है।

यह सीधे–सीधे इस देश की आधी आबादी के विरूद्ध युद्ध की यलगार है। किस तरह यह सिर्फ अंतर्धार्मिक पसंद तक सीमित तलवार नहीं है, इसकी दुधारू धार है ; और क्यों यह सिर्फ सत्ता पार्टी की एक पूर्व सांसद का बयान नहीं है, किस एजेंडे का विस्तार है, सिर्फ स्त्रियों का ही तिरस्कार नहीं है, बल्कि इस देश के इतिहास, परम्पराओं और पृथ्वी और उसके इस हिस्से के कुछ हजार वर्षों के हासिल का निषेध, संविधान का धिक्कार और इस तरह एक अपराध है, आदि–इत्यादि पहलुओं पर आने से पहले इस नफरती साजिशी आख्वान की सत्यता के बारे में जान लेना उचित होगा। जिसकी आशंका से साध्वी जल–भुन कर आग भभूका हुई जा रही थीं,

टांग तोडू हिंसा के लिए लोगों को उकसाते हुए प्रज्ञा सिंह जिस कथित 'लव जिहाद' को हवा दे रही थी, यह एक नितांत झूठी बकवास है। यह बात खुद उनके मोदी जी की सरकार के अमित शाह के गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने 4 फरवरी 2020 को लोकसभा में दिए गए एक लिखित उत्तर में कही थी कि 'केंद्र सरकार की किसी भी एजेंसी ने लव जिहाद के एक भी मामले की जानकारी नहीं दी है।' यह भी कि देश में 'लव जिहाद' जैसी कोई चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि 'भारत के संविधान की धारा 25 प्रत्येक नागरिक को किसी भी धर्म को मानने की स्वतंत्रता देती है।' इससे पहले 2018 में प्रधानमंत्री मोदी के नियंत्रण वाली एनआईए केरल के दो विवाहों के मामले सहित कई प्रकरणों में जांच करके फैसला दे चुकी थी कि लव जिहाद के अस्तित्व का कोई सबूत नहीं है। उत्तराखंड के पुरोला में तनाव के बाद भी यह मामला एक अफवाह साबित हुआ। केरल हाईकोर्ट भी अपने एक फैसले में किसी जिहाद–विहाद की मौजूदगी को नकार चुका है। पिछली कई वर्षों में सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए अनेक सवालों के जवाब में अमित शाह के गृह मंत्रालय ने न केवल मना किया गया, बल्कि खुद मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में शपथपत्र दाखिल करते हुए लव जिहाद के वजूद से साफ़ इनकार किया था। इसके बाद भी उन्ही की पार्टी की चहेती नेता, जिसे अनेक आपराधिक मामलों में अभियुक्त होने और तमाम अनर्गल बातें करने के बावजूद सांसद बनाया गया, लड़कियों को मारने, पीटने, उनकी टांग तोड़ने के आह्वान क्यों कर रही हैं? यह सिर्फ इस्लामोफोबिक अभियान, जिसके तहत यह डर पैदा किया जाता है कि मुस्लिम पुरुष जानबूझकर गैर–मुस्लिम महिलाओं को बहला–फुसलाकर शादी करते हैं और उन्हें इस्लाम में धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते हैं, भर नहीं है। वह तो है ही। भारत के मुस्लिम नागरिकों के प्रति अपना द्वेष ये स्वयं मौके–बेमौके उगलती रहती है। अभी इसी सितम्बर में दुर्गा वाहिनी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए इन्होंने खुले आम मंच से कहा था कि 'अगर गैर–हिंदू मंदिरों के बाहर प्रसाद बेचते दिखें, तो उन्हें पीटा जाए और पुलिस के हवाले करने से पहले सबक सिखाया जाए।" उन्होंने यह भी कहा कि "हर घर में तेज धार वाले हथियार मौजूद होने चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका इस्तेमाल किया जा सके।" इस बार वे मुस्लिमों के बहाने सभी भारतीय महिलाओं के खिलाफ रणभेरी फूंक रही हैं। इस तरह उस असली पटकथा के लिए मंच सजा रही हैं, जो उनके कुनबे के हिन्दू राष्ट्र का सार है। यह बात सिर्फ अंदाजा, अनुमान या आरोप नहीं है दृ ये जिसका लिखा बांच रही हैं, उस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पक्का विचार है।

इस वर्ष 100 वर्ष का हुआ आरएसएस इस मायने में भी इस देश का ऐसा विचित्र संगठन है कि कोई महिला इसका सदस्य नहीं बन सकती। इसका कोई संविधान है या नहीं, यह बात तो खुद इनके अपनों तक को नहीं पता, अलबत्ता इनकी आधिकारिक वेबसाईट पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों दृ एफएक्यूज दृ में साफ़–साफ़ लिखा है कि "यह हिन्दू पुरुषों का संगठन है" और कोई भी "हिंदू पुरुष" स्वयंसेवक बन सकता है। इसमें साफ़–साफ़ लिखा गया है कि "उसकी स्थापना हिंदू समाज को संगठित करने के लिए की गई थी और व्यावहारिक सीमाओं को देखते हुए संघ में महिलाओं को सदस्यता नहीं दी जाती है, सिर्फ हिन्दू पुरुष ही इसमें शामिल हो सकते हैं, इसके स्वयंसेवक बन सकते है।" इस तरह विश्व भर के, सकल ब्रह्मांड के हिन्दुओं को संगठित करने के लिए कटिबद्ध संघ में हिंदू महिलाओं का प्रवेश निषिद्ध है। हालांकि यह दावा जोड़ दिया कि "अपने शताब्दी वर्ष में महिला समन्वय कार्यक्रमों के ज़रिए वो भारतीय चिंतन और सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना चाहता है।" यह भागीदारी कैसे बढ़ाई जायेगी, इसकी एक झलक प्रज्ञा सिंह के टांग तोड़ो, मारो–पीटो के आव्हान से मिल जाती है।

संघ के आदि और एकमात्र गुरु गोलवलकर इस मामले में और आगे बढ़कर कहते हैं कि ष्एक निरपराध स्त्री का वध पापपूर्ण है, परन्तु यह सिध्दांत राक्षसी के लिए लागू नहीं होता।" राक्षसी कौन? इस प्रसंग में वे एक कहानी सुनाते है, जिसमें शादी के लिए अपने परिवार को राजी करने में असफल प्रेमी अपनी प्रेमिका को गला घोंट कर मार देता है और उसे तनिक भी पीड़ा नहीं होती। कृपया ध्यान दें, यहाँ प्रेमी विधर्मी नहीं, सहधर्मी है और कसूरवार लड़की नहीं, वह प्रेमी है, जो अपने परिवार को राजी करने में विफल रहा था!! तब गोलवलकर और आज प्रज्ञा सिंह जिस परम्परा की दुहाई दे रहे है, जिस कथित संस्कृति को वे महान कहते हैं, वह और कुछ नहीं, मनुस्मृति पर आधारित सामाजिक ढांचा है। अब यदि समाज को उस दिशा में ले जाना है, तो उसके लायक बर्बरता भी समाज के सोच में लानी और बिठानी होगी।लव जिहाद तो बहाना है रू स्त्रियों को मनु की बेड़ियों में जकड़ना है। वह मनुस्मृति, जिसका किसी हिंदू–विन्दु के साथ कोई संबंध नहीं है।

गोलवलकर कहते थे कि "महिलायें मुख्य रूप से माँ है और उनका काम बच्चों को जन्म देना, पालना पोसना, संस्कार देना है।" सौ वर्ष बाद भी यह धारणा ज्यों की त्यों है रू मौजूदा सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत स्त्री की जगह तय करने के साथ विवाह को एक ऐसा कॉन्ट्रैक्ट बताते हैं, जिसमे पुरुष का काम पत्नी की आवश्यकताओं की पूर्ति करना और पत्नी का दायित्व पति की सेवा करना और सुख देना है। शताब्दी वर्ष में संघ ने इन दायित्वों में चार से दस तक संताने पैदा करने का काम और जोड़ दिया है।

संघ घोषित रूप से जिसके आधार पर राज चलाना चाहता है, वह मनुस्मृति कोई धार्मिक ग्रन्थ नहीं है। यह वर्णाश्रम की जड़ता की जंत्री है ; एक ऐसी जंत्री, जो मूलतः स्त्री के विरुद्ध है। एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसका झंडा लाल किले या पार्लियामेंट के ध्वज स्तम्भ पर नहीं, स्त्री की देह में गाड़कर खड़ा किया जाता है। शूद्रों के खिलाफ वीभत्सतम बातें लिखने के साथ यह स्त्री को शूद्रा. तिशूद्र बताती है — मतलब उनसे भी ज्यादा वीभत्सतम बर्ताव की हकदार। इसके मुताबिक़ स्त्री मनुष्य नहीं है, वह ऐसी प्राणी है, जिसे कभी स्वतंत्र नहीं छोड़ना चाहिए ; 'पिता रक्षति कौमारे भरता रक्षित यौवने / रक्षित स्थविरे पुत्रा न स्त्री स्वातन्त्रमर्हति।' (9.3) यह कहती है कि "पति चरित्रहीन, लम्पट, निर्गुणी क्यों न हो, स्त्री का कर्तव्य है कि वह देवता की तरह उसकी सेवा करे।" इसी को दोहराते हुए तुलसी कहते हैं कि रू "महावृष्टि चली फुट किआरी / जिमि सुतंत्र भये बिगाड़ें नारी।" उनसे पहले यही बात महाभारत में कही गयी है कि रू 'पति चाहे बोदा, बदसूरत, अमीर या गरीब कुछ भी हो, स्त्री के लिए उत्तम भूषण है' और यह भी कि

'बेवकूफ़ और मूर्ख पति की सेवा करने वाली स्त्री अक्षयलोक को प्राप्त करती है।' ये बात अलग है कि अक्षयलोक हो या स्वर्ग या जन्नत — पुरुष के लिए अप्सरायें हैं, परियां हैं, हूरें हैं — स्त्री के लिए वहां भी कुछ नहीं है।

इस तरह लड़कियों के मियांइन बन जाने के खतरे का शोर मचाने के पीछे महिलाओं को गढ़ी हुई संस्कृति की बेड़ियों में जकड कर मनु के पिंजड़े में बंद करने की तैयारी को छुपाने की नीयत के सिवाय कुछ नहीं है। भारत का संविधान भले उन्हें अपना जीवन साथी चुनने का मूलभूत अधिकार देता है, इस तरह के अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक विवाहों को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियाँ बनाये जाने की हिदायत और प्रावधान करता हो, डॉ. अम्बेडकर भले इसे भारत को जाति की जंजीरों से मुक्ति का एक महत्वपूर्ण रास्ता मानते हों ; मनुज्जाइटिस के शिकार इस सबको उलटने पर आमादा हैं। स्त्रियों को आत्मनिर्भर होकर स्वाभिमान के साथ अपने पांवों पर खड़ी होने की सामर्थ्य देने की बजाय मनुजाए उनकी टाँगे तोड़ने के लिए बढ़ रहे हैं।

हाल के कुछ आंकड़ों को देखें, तो साफ़ हो जाता है कि महिलाओं के पहले से ही त्रासद जीवन को और कठिन तथा यंत्रणापूर्ण बनाने के लिए वे मनु की पूर्ण बहाली तक का इन्तजार भी नहीं करना चाहते। जैसे, भारत में कन्या भ्रूण हत्या के आंकड़े चौंकाने वाले हैं, 2000–2019 के दौरान कम से कम 90 लाख भ्रूण हत्याएं दर्ज की गईं हैं, जिनमें से अधिकांश हिंदुओं द्वारा की गईं। लिंगानुपात में असंतुलन इसका एक प्रमुख कारण है, जो 2011 की जनगणना के अनुसार 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ थीं, जबकि 1901 में यह 972 थीं।

इसे आयु वर्ग में देखें, तो स्थिति और भयानक हो जाती है। 2011 की जनगणना के अनुसार, 0–6 वर्ष के आयु वर्ग में भारत का बाल लिंगानुपात — प्रति 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या — 918 था, जो 1961 की जनगणना के समय 976 से काफी कम है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट बताती है कि बेटे की चाहत और लैंगिक असमानता के कारण जन्म से पहले और बाद में लिंग–चयन के चलते भारतीय आबादी से लगभग 4.6 करोड़ महिलाएँ ष्लापताष् हैं। नतीजे में भारत की जेंडर गैप इंडेक्स रेटिंग 2022 में 0.629 हो गयी और वह लुढ़क कर 146 देशों में 135वें स्थान पर पहुँच गया। साध्वी प्रज्ञा या कोई भी हिन्दूराष्ट्रिया इस बारे में एक शब्द नहीं बोलता।

जैसे, भारत में महिला उत्पीड़न के आंकड़े बताते हैं कि 2021 में महिलाओं के खिलाफ 4,28,278 मामले दर्ज किए गए, जो 2016 की तुलना में 26. 35ः अधिक है। इनमें घरेलू हिंसा, अपहरण, बलात्कार, दहेज हत्या और हमले जैसे अपराध शामिल थे।

जैसे जिस मध्यप्रदेश के जिस भोपाल से प्रज्ञा सिंह सांसद रहीं, लापता होने वाली लड़कियों के मामले में उस मध्यप्रदेश और भोपाल के आंकड़े बहुत डरावने हैं। अभी–अभी अगस्त 2025 में जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2021 से लेकर पिछले साढ़े चार साल में, मध्य प्रदेश में 59,365 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 48,274 लड़कियाँ थीं। हर दिन औसतन 32 महिलाएँ और लड़कियाँ लापता हुईं।

इससे पहले जुलाई 2023 में जारी आंकड़ों के अनुसार रू 2019 से 2021 के बीच, पूरे देश में 13. 13 लाख से अधिक लड़कियाँ और महिलाएँ लापता हुईं, जिनमें से सबसे अधिक मध्य प्रदेश से थीं। मध्यप्रदेश में भी साध्वी को सांसद बनाने वाला

■ शेष पेज 6...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

चीन दुनिया का सबसे बड़ा सरमायेदार!

जसविंदर सिंह

ट्रम्प और अमेरिका की विदेश नीति चीन को केंद्र में रखकर ही निर्धारित होती है स इसलिए ट्रम्प का चीन राग उसकी व्यक्तिगत सनक की वज़ह से नहीं है, बल्कि साम्राज्यवाद को समाजवाद से मिल रही चुनौती की वज़ह से है ᐧ उल्लेखनीय है कि करीब तीन दशक पहले जब सोवियत संघ का विघटन हुआ था और समाजवाद को धक्का लगा था, तब जब पूंजीवाद के पंडित समाजवाद की मौत पर मर्सिया पढ़ रहे थे, उस वक्त भी सिर्फ सीपीआई (एम) ने ही कहा था कि भले ही समाजवादी व्यवस्था को अस्थाई धक्का लगा है, दुनिया कुछ समय के लिए एकध्रुवीय हो रही है, लेकिन फिर भी दुनिया का मुख्य अंतर्विरोध साम्राज्यवाद और समाजवाद के बीच ही रहेगा।

और अब जब चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और उसके विश्व की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनने की भविष्यवाणियों को अर्थशास्त्रियों को ही बार–बार बदलना पड़ रहा है। पहले यह भविष्यवाणी हुई कि चीन 2045 में अमे. रिका को पीछे छोड़ देगा। फिर यह कहा गया कि नहीं, चीन की बिना संकट और बिना अवरोध के तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था 2035 में ही अमेरिका को पछाड़ देगी। अब कहा जा रहा है कि नहीं, चीन 2028 में ही अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पीछे धकेल कर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर सकता है। समाजवादी व्यवस्था का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाना सिर्फ अमेरिका के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे साम्राज्यवादी देशों का सबसे बड़ा सिर दर्द बन गया है। इसलिए ट्रम्प से पहले जिओ बाईडेन के समय से चीन को घेरने की चिंता, अमेरिका की सारी चिंताओं में केंद्रीय चिंता रही है।

ट्रम्प के सनकीपन ने इस चिंता को और भी मुखर अभिव्यक्ति की है ᐧ उसने आते ही चीन पर 200 पर्सेन्ट टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। अपनी आदत के मुताबिक बाद में यह टैरिफ 100 पर्सेन्ट लगाने की घोषणा हुई। मगर सच्चाई यह है कि जब भारत पर 50 फीसद टैरिफ थोप दिए गए हैं, तब चीन पर अभी तक मात्र 10 पर्सेन्ट टैरिफ ही लगाए हैं। सच बात तो यह है कि चीन की जवाबी कार्रवाई से अमेरिका और ट्रम्प दोनों ही घबराए हुए हैं। चीन द्वारा अमेरिका का सोयाबीन, मक्का और दूसरे कृषि उत्पाद खरीदने बंद कर देने या उनकी मात्रा घटा देने मात्र से ही अमेरिका का कृषि क्षेत्र का घाटा दो साल में 10.7 बिलियन डॉलर से बढ़कर 31.8 बिलियन डॉलर हो गया है।

यही वज़ह है कि ट्रम्प भारत को धमकी दे रहा है। टैरिफ को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की धमकियां देता है। रूस से सस्ता तेल खरी. दने की बजाय अमेरिका से महंगा तेल खरीदने के लिए बाध्य कर रहा है। मोदी सरकार ट्रम्प के दबाव में आकर पर्दे के पीछे समझौते के प्रयास भी कर रही है।

दूसरी ओर वह अपने मुख्य दुश्मन चीन के साथ संवाद स्थापित कर रहा है। सितंबर के शुरुआत में दक्षिण कोरिया में ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति जिनपि. ंग की मुलाकात के बाद अमेरिका ने नवम्बर तक कोई कार्यवाही करने को स्थगित कर दिया था। अब जब नवंबर भी बीतने वाला है, ट्रम्प ने अगले साल अप्रैल में चीन जाने की घोषणा की है। मतलब यह कि ट्रम्प दूसरे देशों को धमकाएगा, लेकिन जिस चीन को घेरने के लिए बेताब है, उससे संवाद स्थापित कर रहा है। और यह संवाद भी पर्दे के पीछे नहीं, बल्कि दुनिया के सामने हो रहा है। चीन को कोई बीच का रास्ता निकालने की फ़रियाद करने के लिए ट्रम्प खुद बीजिंग जा रहा है।

प्रश्न यही है कि आखिर चीन ने अमरीका की कौन सी नस दबा रखी है कि वह पुतिन, मोदी और जिन. पिंग की मुलाकात पर तो बौखला जाता है। ट्रम्प बयान जारी करता है कि रूस और भारत को चीन से अलग करना अमेरिका की कोशिश है। इधर वह खुद ही चीन के साथ वार्ता करने चीन जा रहा है। कारण साफ है, चीन ने अपनी कुर्सी के पायों के नीचे अमेरिका सहित दुनिया के सारे देशों के हाथ दबा रखे हैं। दुनिया के 217 देशों मे से 179 देशों ने 2000 से 2023 के बीच चीन से कम से कम एक बार कर्ज लिया है। मतलब यह कि दुनिया के 80 प्रतिशत देशों ने पिछले बीस सालों में चीन से कभी न कभी कर्ज लिया है।

चीन इस समय दुनिया का सबसे बड़ा साहूकार है। इस समय भी दुनिया के 84 देशों पर चीन का 2 ट्रिलियन डॉलर कर्ज है। (उल्लेखनीय है कि 10 लाख का एक मिलियन होता है, 1000 मिलियन का एक बिलियन होता है और 1000 बिलियन का एक ट्रिलियन होता है।) इन 84 देशों में दुनिया भर को हैंकड़ी दिखाने वाला अमेरिका भी शामिल है।

अमेरिका चीन का सबसे बड़ा कर्जदार है। उसने चीन की सरकारी बैंकों से 200 बिलियन डॉलर कर्ज ले रखा है।

इस कर्ज से अमेरिका अपनी 2500 परियोजनाओं को पूरा कर रहा है। कर्ज की किश्त रुक जाए, तो इन परियोजनाओं की सांसे थम जाएं। यह कर्ज लगातार बढ़ रहा है।

अब परियोजनाएं पूरी करनी हैं तो साहूकार को आंखें कैसे दिखाएं? वार्ताएं कर बीच के रास्ते तलाशे जा रहे हैं, या ज्यों कहो कि इज़्ज़त बचाने की को. शिश की जा रही है। चीन ने विश्व मे जितना कर्ज दिया है, उसका 9 प्रतिशत से अधिक सिर्फ अमेरिका को दिया है।

जानकारी के अनुसार, विश्व के जिन 20 देशों ने सबसे अधिक कर्ज लिया है, उनमे से 6 देश उच्च आय वाले विकसित देश हैं। यह कर्ज चीन द्वारा दूसरे देशों को दिए गए कर्ज का 20 प्रतिशत है और आंकड़ों के अनुसार यह राशि 943 बिलियन डॉलर इन उच्च आय वाले देशों को दिया गया है।

दुनिया का कोई भी बड़ा देश नहीं, जो चीन का कर्जदार न हो द्य अमेरिका के बाद रूस चीन का सबसे ज्यादा कर्जदार है। उसने 2023 तक चीन से 172 बिलियन डॉलर कर्ज ले रखा है स इसके बाद तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसने चीन से 130 बिलियन डॉलर कर्ज लिया है।

27 देशों के संघ, यूरोपियन यूनियन ने भी चीन से 161 बिलियन डॉलर कर्ज लिया है स इन देशों की 1800 परियोजनाओं का पूरा होना चीन से आ रही कर्ज की किश्तों पर निर्भर है। क्या इन देशों से उम्मीद की जा सकती है कि वह अमेरिका के इशारे पर चीन का साथ छोड़ दें?

भारत भी चीन के कर्ज से मुक्त नहीं है। अपनी अंध–राष्ट्रवादी राजनीति चलाने के लिए भले ही मोदी सरकार कभी चीनी समान पर प्रतिबंध लगाती हो, कभी दिवाली पर चीनी झालर और पटाखों के बहिष्कार की बात करती हो, लेकिन मोदी खुद चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग को झुला झुलाते हैं, क्योंकि भारत भी चीन से कर्ज लेता है स वर्ष 2023 तक भारत ने चीन से 11.1 बिलियन डॉलर कर्ज ले रखा है। भारत की ऊर्जा और वित्तीय क्षेत्र की अधिकांश परियोजनाएं चीनी कर्ज के सहारे ही चल रही हैं। बस यहीं आकर मोदी की बोलती बंद हो जाती है। आज भारत पर 747.2 बिलियन डॉलर विदेशी कर्ज है ᐧ दूसरी ओर चीन ने भारत सहित अनेक देशों को जो कर्ज दे रखा है, उसका ब्याज ही कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं से ज्यादा है। वर्ष 2023 में चीन ने 140 बिलियन डॉलर ब्याज दुनिया भर के देशों से वसूला है

'(लेखक मध्यप्रदेश माकपा के सचिव हैं।)'

जम्मू–कश्मीर लॉजिस्टिक्स नीति 2025 जल्द ही जारी की जाएगी : एलजी सिन्हा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि जम्मू तेज़ी से एक व्यापार और लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में उभर रहा है जो लद्दाख और कश्मीर घाटी को देश के व्यापार गलियारों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर लॉजिस्टिक्स नीति 2025 जल्द ही जारी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि नई नीतिगत पहल मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, शुष्क बंदरगाहों और भंडारण क्षेत्रों के विकास और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक व्यापक ढाँचा पेश करेगी।

भारतीय चौंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा आयोजित जम्मू व्यापार और लॉजिस्टिक्स कॉन्क्लेव–2025 में बोलते हुए उपराज्यपाल ने कहा, यह (नीति) लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को उद्योग का दर्जा भी प्रदान करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि इसे औद्योगिक नीति के सभी लाभ प्राप्त हों। अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने स्मार्ट लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे और बेहतर लॉजिस्टिक्स संचालन के माध्यम से जम्मू–कश्मीर की विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने का आह्वान किया। सिन्हा ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने, उत्पादकों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने और हमारे व्यापारियों, उद्योगपतियों, किसानों, कारीगरों और एमएसएमई की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत भंडारण, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउस पारिस्थितिकी तंत्र समय की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश को और अधिक प्रतिस्पर्धी और निवेश–तैयार गंतव्य बनाने के उद्देश्य से की गई प्रमुख पहलों को भी साझा किया। उपराज्यपाल ने बताया कि पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस–एनएमपी) के तहत, केंद्र शासित प्रदेश में 3,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 49 प्रमुख लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी परियोजनाओं का मानचित्रण पहले ही किया जा चुका है, जिससे वास्तविक समय में समन्वय और तेज़ क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि एकीकृत नियोजन दृष्टिकोण जम्मू–कश्मीर को रसद संबंधी कमियों की पहचान करने, औद्योगिक क्षेत्रों तक अंतिम–मील कनेक्टिविटी में सुधार करने, माल ढुलाई को अनुकूलित करने और रसद लागत व पारगमन समय को उल्लेखनीय रूप से कम करने में मदद कर रहा है। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि जम्मू के विजयपुर में एक मल्टी–मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) का विकास सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीप. ीपी) मॉडल के तहत, बिल्ड–डेवलप–फाइनेंस– ऑपरेट–ट्रांसफर (डीबीएफओटी) दृष्टिकोण के तहत किया जाएगा।

यह पार्क एक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी), वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, एक ट्रक टर्मिनल और एक कंटेनर फ्रेट स्टेशन जैसी आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिसका उद्देश्य व्यापार और रसद दक्षता को बढ़ावा देना है।

■ शेष पेज 5 से...

कभी सांसद महोदया इस बारे में कभी कुछ बोलीं दृ न उनकी भाजपा और उनके संघ ने इस बारे में जुबान खोली। इसका उलट अवश्य हुआ और वह यह कि पिछले साल भर में नाबालिग बच्चियों सहित बलात्कार, सामूहिक बलात्कार के जितने भी मामले सामने आये, उनके अधिकाँश अपराधी उसी हिन्दू–वीर कुनबे के निकले, जो साध्वी के टांग तोड़ू आह्वान पर ष्जैश्रीरामष् की हुंकार लगा रहे थे/हैं।

प्रज्ञा सिंह के इस उत्तेजक और उन्मादी आह्वान को इस समग्रता में पढ़ने की जरूरत है। आमतौर से सभी को, खासतौर से उन अच्छी लडकियों को, जो बहुत अनुशासित होती हैं — चुप–चुप रहती हैं — जितना दे दो, उतने पर मान जाती हैं — कभी जोर से नहीं बोलतीं — कभी आगे नहीं भागती, कभी ना नहीं कहती — सामने आने की बजाय पीछे–पीछे चलने में खुश रहती हैं। वे नहीं जानती कि इसकी वजह उस सामाजिक परवरिश में हैं — कंडीशनिंग में हैं — जिसने बहुत चतुराई से ठगी की है और झिझक को श्रृंगार, बेड़ियों को आभूषण बना दिया है। डर बिठा दिया गया है, जो डर नहीं, वैचारिक वर्चस्व है रू पितृसत्ता का भरमजाल है। वर्चस्वकारी भारतीय संस्कृति के बड़े अध्येता सालुंके कहते हैं कि रू "अन्य मामलो में अपनी भिन्नता को मुखर करने वाले धर्म/पंथ/विचारधाराएं एक मामले में पूरी तरह एक हैं कि पुरुष का सुख साध्य है और स्त्री उस सुख के साधनो में से एक साधन है। लिहाजा संसाधन के रूप में स्त्री के अपने सुख पर स्वतंत्र रूप से विचार करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।ष् यह भी कि पुरुष सत्ता की सड़ांध सिर्फ पुरुषों में ही नहीं होती — महिलायें भी उसकी वाहक होती हैं।

इन 'अच्छी' लड़कियों को बोलना सीखना होगा दृ इस तरह के हमलों को सींग से पकड़ना होगा। लेनिन ने एक बार कहा था कि रू 'महफ़िलों और गोष्ठियों में चहको मत — लड़ो और जगह बनाओ।' अच्छी बात है कि वे ऐसा कर रही हैं।

(लेखक श्लोकजतनश् के संपादक और अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं। संपर्क रू 94250–06716)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

नया होस्ट विज़न

संपादक – राज कुमार

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के होस्ट के तौर पर अहमदाबाद का कन्फर्म होना न सिर्फ इस इवेंट के लिए, बल्कि भारत की नेशनल कैपेबिलिटी की बड़ी कहानी के लिए भी एक टर्निंग पॉइंट है। कॉमनवेल्थ गेम्स ने एक दशक का ज़्यादातर समय अपने होने की अनिश्चितता से जूझते हुए बिताया है। ज़्यादा विड्रॉल रेट, बढ़े हुए बजट और खेल की बदलती प्रायोरिटी ने इस बात पर शक पैदा कर दिया था कि क्या यह इंस्टीट्यूशन अपनी अगली सदी तक टिक पाएगा। यह कि सौवां एडिशन अब भारत में होगा, जिसे सभी ने मंजूरी दी और बड़े जोश के साथ स्वागत किया गया, यह बताता है कि गेम्स ने एक ज़रूरी मकसद फिर से खोज लिया है, और अहमदाबाद सही समय पर सही प्रपोज़िशन के साथ सामने आया है। भारत के अप्रोच को जो बात अलग बनाती है, वह सिर्फ स्केल नहीं बल्कि इंटीग्रेशन है। शहर की बोली मौजूदा सुविधाओं और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत ज़्यादा निर्भर करती है, जो हाल के होस्ट्स को परेशान करने वाले बड़े, फाइनेंशियली भारी मॉडल से अलग होने का संकेत देती है। अहमदाबाद का कॉन्फिडेंस पहले से मौजूद एसेट्स से आता हैरू मॉडर्न स्टेडियम, एक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क जो बड़ी भीड़ को संभाल सकता है, और मार्की नरेंद्र मोदी स्टेडियम, जो भारत की खेल महत्वाकांक्षा का सिंबल बन गया है। लोकल मौसम की हकीकत को ध्यान में रखकर अक्टूबर में इवेंट शेड्यूल करने का फैसला, एक प्रैक्टिकल सोच को भी दिखाता है जो कई ग्लोबल स्पोर्टिंग बोलियों में नहीं होती। लेकिन ज़्यादा अहमियत इस बात में है कि इन गेम्स को कैसे तैयार किया जा रहा है। 2047 तक भारत को एक डेवलप्ड देश बनाने के सरकार के लॉन्ग–टर्म विज़न के तहत, कॉमनवेल्थ गेम्स को एक अकेला इवेंट नहीं बल्कि एक सिलसिलेवार सफ़र का एक कदम माना जा रहा है, जिसमें भारत खुद को एक भरोसेमंद, इनोवेटिव और ग्लोबल स्पोर्टिंग होस्ट के तौर पर पेश कर रहा है। 2036 ओलंपिक्स को लेकर उम्मीदें भी इसी रास्ते पर हैं। एक ऐसे देश के लिए जहाँ खेल को अक्सर क्रिकेट के दबदबे से पहचाना जाता रहा है, ग्लोबल पहुँच वाला एक मल्टी–स्पोर्ट इवेंट करने का मौका एथलेटिक इकोसिस्टम को बढ़ाने, लोगों की गहरी भागीदारी बनाने और एडमिनिस्ट्रेटिव काबिलियत दिखाने का मौका देता है। अहमदाबाद का "फ्यूचर–रेडी" गेम्स का वादा भी उतना ही ज़रूरी है। सस्टेनेबिलिटी, कॉम्पैक्ट लेआउट, एथलीट–सेंट्रिक डिज़ाइन और टेक्नोलॉजिकल इंटीग्रेशन पर फोकस इस बढ़ती जागरूकता को दिखाता है कि मेगा–इवेंट्स को अब दिखावे से आगे बढ़कर अपने होने को सही ठहराना होगा। टिकट होल्डर्स के लिए फ्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सभी जगहों के लिए 30–45 मिनट का रेडियस, और जाने–माने और नए, दोनों तरह के स्पोर्ट्स को शामिल करना, एक्सेसिबिलिटी और एक्सपीरियंस को बाद की बातों के बजाय सेंट्रल पिलर बनाने के इरादे का इशारा है। फिर भी, उम्मीदें बहुत ज़्यादा होंगी। कॉमनवेल्थ गेम्स ने एक स्लिमर, ज़्यादा फाइनेंशियली स्टेबल टेम्पलेट अपनाया है, लेकिन सौवां एडिशन सिर्फ ग्लासगो मॉडल को कॉपी नहीं कर सकता, इसे और बेहतर बनाना होगा। भारत के पास उस चुनौती का सामना करने के लिए स्केल, टैलेंट और एम्बिशन है, लेकिन इसके लिए डिसिप्लिन्ड एग्जीक्यूशन, ट्रांसपेरेंसी और लेगेसी पर सच में ध्यान देने की ज़रूरत होगी। अगर अहमदाबाद कामयाब होता है, तो यह इवेंट कॉमनवेल्थ स्पोर्टिंग मूवमेंट की अगली सदी को डिफाइन कर सकता है और भारत की जगह को एक ग्लोबल होस्ट के तौर पर पक्का कर सकता है जो एफिशिएंसी के साथ कल्चरल वाइब्रेंसी को मिलाने में काबिल है। गेम्स, असल में, ऐसे समय में आ रहे हैं जब भारत और कॉमनवेल्थ दोनों नए मकसद की तलाश में हैं। 2030 में, अहमदाबाद के पास ठीक यही मौका होगा।

ट्रिब्यूनल सुधार और राष्ट्रपति संदर्भ संबंधी फैसले संवैधानिक मर्यादा और न्यायिक संयम की मिसाल

19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती।

नीरज कुमार दुबे

भारत की संवैधानिक संरचना में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन सदैव एक संवेदनशील विषय रहा है। दो दिनों में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दो महत्वपूर्ण फैसलों ने इस संत. ुलन पर नई बहसों को जन्म दिया है। एक ओर न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराकर संसद और केंद्र सरकार को कठोर संदेश दिया है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत भेजे गए संदर्भ पर अपनी राय देते हुए न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि न तो राष्ट्रपति और न ही राज्यपाल पर अदालत कोई बाध्यकारी समय–सीमा थोप सकती है। इन दोनों फैसलों को मिलाकर देखें तो न्यायालय ने एक ओर कार्यपालिका के हस्तक्षेप से न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा की है, जबकि दूसरी ओर अपने अधिकार–क्षेत्र की सीमाएँ भी रेखांकित की हैं।

न्यायाधिकरण संबंधी फैसले की बात करें तो 19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि सरकार बार–बार उन्हीं प्रावधानों को अध्यादेश और फिर कानून के रूप में लागू करती रही, जिन पर न्यायालय स्पष्ट रूप से ऐतराज जता चुका था। यह प्रवृत्ति विधायी अवहेलना (समहपेसंजपअम वअमततनसपदह) के रूप में व्याख्यायित की गईकृ अर्थात, बिना वास्तविक सुधार किए केवल प्रतीकात्मक परिवर्तन कर न्यायालय की बात को निष्प्रभावी करने का प्रयास।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और संस्थागत मर्यादा को ठोस आधार देता है। न्यायाधिकरण सरकार के अंगों के विरुद्ध भी निर्णय लेते हैं; ऐसे में उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा–शर्तें यदि सरकार के नियंत्रण में हों, तो न्यायिक निष्पक्षता खतरे में पड़ सकती है। न्यायालय ने इस अधिनियम को शक्तियों के पृथक्करण (मचंतंजपवद व च्वूमते) और न्यायिक स्वतंत्रता (श्रनकपबपंस प्दकमचमदकमदबम) के सिद्धांतों का उल्लंघन करार देते हुए रद्द कर दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि संसद कानून तो बना सकती है, लेकिन न्यायपालिका की मूलभूत स्वतंत्रता को नियंत्रण में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

दूसरा महत्वपूर्ण फैसला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए संवैधानिक संदर्भ पर आया।

न्यायालय के समक्ष मुख्य प्रश्न थाकृ क्या राज्यपाल या राष्ट्रपति पर यह बाध्यता हो सकती है कि वे किसी बिल पर तय समय–सीमा में निर्णय दें? मुख्य न्यायाधीश गवई तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पी.एस. नरसिंह और ए.एस. चंदुरकर की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय राज्यपाल/राष्ट्रपति पर कोई निर्धारित समय–सीमा नहीं थोप सकता। यह स्पष्ट है कि "क्मम्उमक ेमदज" अर्थात समय बीतने पर बिल को स्वतः मंजूर मान लेने की अवधारणा असंवैधानिक है, क्योंकि यह कार्यपालिका की भूमिका को न्यायपालिका द्वारा हड़पने जैसा होगा। हाँ, यदि लंबे समय तक अनिश्चित देरी हो, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हो, तो न्यायालय सीमित दायरे में यह निर्देश दे सकता है कि राज्यपाल अपनी जिम्मेदारी निभाएँ, लेकिन यह निर्देश विवेकाधिकार के उपयोग पर टिप्पणी नहीं करेगा।

> भारत की संवैधानिक संरचना में न्यायपालिका-कार्यपालिका संतुलन पर आए दो ताज़ा फैसले महत्वपूर्ण हैं। पहले, सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम 2021 के प्रमुख प्रावधान असंवैधानिक किए, यह कहते हुए कि संसद पहले से रद्द प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा लागू नहीं कर सकती और इससे न्यायिक स्वतंत्रता प्रभावित होती है। दूसरे फैसले में कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपति या राज्यपाल पर किसी बिल पर निर्णय के लिए बाध्यकारी समय-सीमा नहीं थोप सकते, हालांकि अनुचित देरी पर सीमित हस्तक्षेप संभव है। इन फैसलों ने न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए न्यायपालिका की अपनी सीमाएँ भी स्पष्ट की हैं।

इस फैसले से दो बातें स्पष्ट होती हैं। पहली यह कि न्यायालय ने स्वयं पर अंकुश लगाते हुए साफ किया कि कार्यपालिका के संवैधानिक अधिकारों में दखल की सीमा तय है। दूसरी बात यह है कि राज्यपालों की ओर से बिलों को महीनों तक रोककर रखने की आलोचना को भी न्यायालय ने गंभीरता से लिया है और समाधान के रूप में सीमित न्यायिक समीक्षा का दरवाज़ा खुला रखा है। यह संतुलन स्थापित करना आसान नहीं था। एक ओर राज्योंकृ विशेषकर तमिलनाडु, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल ने तर्क दिया कि राज्यपालों द्वारा बिलों को रोकना लोकतंत्र–विरोधी है। दूसरी ओर, केंद्र ने कहा कि अदालतें समय–सीमा तय करके कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे सकतीं। अंततः न्यायालय ने वही रास्ता चुना जो भारतीय संविधान की आत्मा के अनुरूप है यानि संविधान ने समय–सीमा नहीं तय की है, इसलिए अदालत भी इसे तय नहीं करेगी।

इन दोनों फैसलों में न्यायालय का स्वर पूरी तरह एक जैसा नहीं है। एक तरफ उसने संसद को तीखी चेतावनी दी, दूसरी तरफ उसने खुद अपनी सीमाओं को स्वीकार किया। यही दोहरी भूमिका भारतीय लोकतंत्र को संतुलित बनाती है। न्यायालय संदेश दे रहा है कि न्यायिक स्वतंत्रता पर किसी भी प्रकार का आघात बर्दाश्त नहीं होगा, लेकिन संविधान में जो अधिकार अन्य अंगों को दिए गए हैं, उन पर न्यायपालिका कब्जा नहीं करेगी।

इन फैसलों की समय–सीमा भी रोचक है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। उनके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। इन दोनों महत्वपूर्ण संवैधानिक फैसलों पर गवई और सूर्यकांत दोनों की निर्णायक भूमिका भविष्य की न्यायिक दिशा के संकेत देती हैकृ विशेषकर केंद्रदृराज्य संबंधों और न्यायिक स्वतंत्रता के क्षेत्र में।

बहरहाल, संविधान ने भारत को एक संतुलित संरचना दी हैकृ न्यायपालिका स्वतंत्र हो, कार्यपालिका जिम्मेदार हो और विधायिका जनता के प्रति उत्तरदायी हो। इन दोनों फैसलों ने इस संतुलन को और भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। जहाँ न्यायालय ने संसद को बताया कि वह न्यायिक आदेशों को दरकिनार नहीं कर सकती, वहीं राज्यपालों और राष्ट्रपति की संवैधानिक गरिमा को भी मान्यता दी, यह कहते हुए कि समय–सीमा थोपना न्यायपालिका के अधिकार–क्षेत्र से बाहर है। इन फैसलों के साथ भारत का लो. कतंत्र एक बार फिर यह साबित करता है कि संस्थाएँ तभी मजबूत होती हैं जब वे एक–दूसरे की सीमाओं और स्वतंत्रता का सम्मान करें।

–नीरज कुमार दुबे
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा, मैं देश के लिए जो कुछ कर सकता था, वह करके संतुष्ट हूं

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : भारत के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि वह लगभग चार दशकों तक चले एक वकील और न्यायाधीश के रूप में अपने सफर के समापन पर संस्थान को ष्पूर्ण संतुष्टि और संतोष की भावना के साथष् और ष्न्याय के छात्रष् के रूप में छोड़ रहे हैं।

मुख्य न्यायाधीश–पदनाम सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की औपचारिक पीठ के समक्ष विदाई कार्यवाही के दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ष्आप सभी को सुनने के बाद, और विशेष रूप से अटॉर्नी जनरल (आर वेंकटरमणी) और कपिल सिब्बल की कविताओं और आप सभी द्वारा व्यक्त की गई गर्मजोशी भरी भावनाओं के बाद, मेरी आवाज भावनाओं से भर गई है।ष् ष्जब मैं इस अदालत कक्ष को आखिरी बार छोड़ रहा हूँ..., मैं इस अदालत को पूर्ण संतुष्टि की भावना के साथ छोड़ रहा हूँ, पूर्ण संतोष की भावना के साथ कि मैंने वह सब कुछ किया जो मैं इस देश के लिए कर सकता था... धन्यवाद। बहुत–बहुत धन्यवाद,ष् कानूनी अधिकारियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और युवा वकीलों से खचाखच भरे अदालत कक्ष में भावुक गवई ने कहा।

कार्यवाही के दौरान सहकर्मियों ने न्यायमूर्ति गवई, केजी बालाकृष्णन के बाद दूसरे दलित और पहले बौद्ध सीजेआई, द्वारा न्यायपालिका पर छोड़ी गई छाप को याद किया। उन्होंने कहा, ष्मेरा हमेशा से मानना ध्हरा है कि हर कोई, हर न्यायाधीश, हर वकील, उन सिद्धांतों से संचालित होता है जिन पर हमारा संविधान काम करता है, यानी समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व और मैंने संविधान की सीमाओं के भीतर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की कोशिश की, जो हम सभी को बहुत प्रिय है।ष् न्यायमूर्ति गवई, जिन्होंने 14 मई को सीजेआई के रूप में छह महीने से अधिक के कार्यकाल के लिए शपथ ली थी, 23 नवंबर, 2025 को पद छोड़ेंगे और शुक्रवार उनका अंतिम कार्य दिवस था। अपनी यात्रा पर विचार करते हुए, सीजेआई ने कहा, ष्जब मैं 1985 में (कानूनी) पेशे में शामिल हुआ, तो मैंने कानून की पढ़ाई शुरू की। आज, जब मैं पद छोड़ रहा हूं, तो मैं न्याय के एक छात्र के रूप में ऐसा कर रहा हूं।ष् उन्होंने एक वकील से लेकर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और अंततः भारत के मुख्य न्यायाधीश तक के अपने 40 साल से ज़्यादा के सफ़र को ष्बेहद संतोषजनकष् बताया। उन्होंने कहा कि हर सार्वजनिक पद को सत्ता के पद के रूप में नहीं, बल्कि ष्समाज और राष्ट्र की सेवा करने के अवसरष् के रूप में देखा जाना चाहिए। डॉ. बी.आर. आंबेडकर और अपने पिता, जो संविधान के मुख्य निर्माता के निकट सहयोगी थे, के प्रति अपनी प्रशंसा का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनका न्यायिक दर्शन आंबेडकर की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता से प्रभावित था।

दुबई एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली/दुबई : भारतीय वायुसेना का एक लड़ाकू जेट तेजस शुक्रवार को दुबई एयर शो में हवाई प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस दुर्घटना में पायलट की मौत हो गई, वायुसेना ने कहा।

वायुसेना ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया जा रहा है। विभिन्न टीवी चौनलों पर प्रसारित दुर्घटना के दृश्यों में जेट को ऊंचाई से गिरते और फिर आग के गोले में घिरते हुए जमीन पर दुर्घटनाग्रस्त होते दिखाया गया।

दुर्घटनास्थल से धुआं निकलते देख दर्शक स्तब्ध रह गए। एक अंत.रराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिष्ठित एयर शो में एक प्रदर्शन उड़ान भरते समय जेट स्थानीय समयानुसार दोपहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

"आज दुबई एयर शो में एक हवाई प्रदर्शन के दौरान एक आईएएफ तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में पायलट को घातक चोटें आईं। वायुसेना ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए बयान में कहा।

तनवीर सादिक ने कहा, अनुचित और गलत समय पर उठाया गया कदम केपीडीसीएल के प्रस्तावित 20: पीक-ऑवर सरचार्ज का विरोध करेंगे

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह बिजली पर प्रस्तावित 20: पीक ऑवर सरचार्ज का कड़ा विरोध करेगी और इसे ष्अनुचित और गलत समय परष् बताया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि बिजली एक ज़रूरत है, विलासिता नहीं और कहा कि प्रशासन जम्मू–कश्मीर के लोगों पर इस तरह का बोझ नहीं पड़ने देगा। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कश्मीर पावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने पीक ऑवर्स के दौरान 20: सरचार्ज लगाने का प्रस्ताव रखा है।

इस प्रस्ताव की अपनी पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी सहित कई राजनीतिक दलों ने तीखी आलोचना की है। एक्स पर एक पोस्ट में, पारा ने लिखा, जम्मू–कश्मीर सरकार को बिजली के दाम बढ़ाने से पहले ज़मीनी स्तर पर वास्तविक आकलन करना चाहिए।

पॉश इलाकों के लोग भले ही इसे महसूस न करें, लेकिन आम कश्मीरियों के लिए सर्दी ज़िंदा रहने की जंग है। कश्मीर में बिजली कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन रक्षक है। ऐसे समय में जब परिवार पहले से ही संघर्ष कर रहे हैं, गरीब और मध्यम वर्ग पर बिजली के दाम बढ़ाना क्रूर और विनाशकारी होगा। मानवीय पीड़ा को नज़रअंदाज़ करने वाली नीतियों का एक न्यायपूर्ण प्रशासन में कोई स्थान नहीं है।

जम्मू के बाहरी इलाके में 16 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : प्रशासन ने शुक्रवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में करोड़ों रुपये मूल्य की 16 एकड़ से ज़्यादा बेशकीमती ज़मीन पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि

प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अब तक 10 से ज़्यादा ढाँचों को ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य और जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) की बेशकीमती ज़मीन पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए, राजस्व विभाग के कर्मचारियों और मशीनों ने बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की मदद से बिश्नाह तहसील के सिकंदरपुर इलाके में 130 कनाल अतिक्रमित ज़मीन को मुक्त कराने का अभियान चलाया।

ज़मीन की अनुमानित कीमत 50 से 60 करोड़ रुपये के बीच है। उन्होंने बताया कि खसरा संख्या 308, 389 और 2206 के अंतर्गत आने वाली यह ज़मीन लंबे समय से अवैध कब्ज़े में थी, जहाँ ज़मीन पर अतिक्रमण करने वालों ने कई अवैध ढाँचे बना रखे थे, जिनमें एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज व्यक्ति भी शामिल हैं।

यह अभियान जम्मू के ज़िला मजिस्ट्रेट डॉ. राकेश मिन्हास के निर्देश पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू जोगिंदर सिंह के समन्वय में चलाया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान अब तक 15 से ज़्यादा ढाँचे ध्वस्त किए जा चुके हैं।

पुलिस और राजस्व एजेंसियाँ इस बात की जाँच कर रही हैं कि कैसे कुछ लोगों का इस्तेमाल ज़मीन हड़पने और फिर उसे जम्मू के बाहर से आने वाले लोगों को बेचने के लिए किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सरक.ारी ज़मीन पर अवैध कॉलोनियाँ बन रही हैं।

इसके अलावा, अधिकारी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि राज्य और जेडीए की ज़मीन पर बिना भवन निर्माण अनुमति के बने सभी घरों और इमारतों को बिजली और पानी के कनेक्शन के साथ–साथ अन्य सरकारी सुविधाएँ भी नहीं मिलेंगी।

डीडीसी चेयरमैन कठुआ ने प्लाख अवेयरनेस कैंप में सरसों के बीज बांटे, खेती के नए तरीकों को अपनाने की अपील की

सबका जम्मू कश्मीर

बसोहली : डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट काउंसिल (क्क्) के चेयरमैन कठुआ, कर्नल महान सिंह (रिटायर्ड) ने प्लाख पंचायत घर में एग्रीकल्चर ब्लॉक बसोहली द्वारा ऑर्गनाइज़ किए गए किसान जागरूकता कैंप में हिस्सा लिया, जहाँ 500 से ज़्यादा किसानों दृ पुरुषों और महिलाओं दृ ने बड़े जोश के साथ हिस्सा लिया। कैंप का फोकस किसानों की ज़रूरी दिक्कतों को दूर करना और इलाके में खेती के बेहतर तरीकों को बढ़ावा देना था।

रणजीत सागर डैम के आस–पास बसे प्लाख इलाके और आस–पास की कई पंचायतें बंदरों के बढ़ते आतंक और जंगली जानवरों से फसल खराब होने की वजह से बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कभी अपनी अच्छी खेती के लिए मशहूर इस इलाके में, पानी की बड़ी जगह बनने के बाद काफी नुकसान हुआ है, जिससे कुदरती माहौल बदल गया और बंदर, जंगली सूअर और नीलगाय खेती वाले खेतों में आ गए।

सिकंदरपुर-बिश्नाह में ज़मीन पर कब्ज़ा करने वालों और एनडीपीएस एक्ट के अपराधियों से 130 कनाल सरकारी और कस्टोडियन ज़मीन वापस ली गई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन जम्मू ने बिश्नाह तहसील के सिकंदरपुर गांव में एंटी–एनक्रोचमेंट और डेमोलिशन ड्राइव के दौरान करोड़ों रुपये की कीमती ज़मीन वापस ली है। यह ड्राइव डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट जम्मू, डॉ. राकेश मिन्हास के निर्देश पर और ैैच जम्मू, जोगिंदर सिंह के साथ कोऑर्डिनेशन में की गई थी। खसरा नंबर 308, 389, 2206 में आने वाली करीब 130 कनाल ज़मीन पर गैर–कानूनी कब्ज़ा था और कब्ज़ा करने वालों ने कई गैर–कानूनी स्ट्रक्चर बना लिए थे, जिनमें छक्चै एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए अपराधी भी शामिल हैं।

मिली ज़मीन संबंधित डिपार्टमेंट को सौंपी जा रही है और इसका कुछ हिस्सा नियाबत, पटवार हलका और पुलिस चौकी बनाने के लिए प्रपोज़ किया जाएगा।

अतिक्रमण हटाने की यह मुहिम एसडीएप जम्मू साउथ मनु हंसा और सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस हेडक्वार्टर जम्मू इरशाद राथर की देखरेख में चलाई गई। इस दौरान तहसीलदार बिश्नाह अंकुश त्रिपाठी, एसडीपीओ आरएस पुरा गुरमीत सिंह, ैभ्व् बिश्नाह राकेश जामवाल और रेवेन्यू और पुलिस डिपार्टमेंट के दूसरे अधिकारी भी मौजूद थे।

जीडीसी अखनूर ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि दी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (जीडीसी) अखनूर ने जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी, जम्मू के सहयोग से श्री गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस धूमधाम से मनाया। बहादुर जी का 22 नवंबर, 2025 को जन्मदिन था। इस इवेंट में नौवें सिख गुरु, जिन्हें शहिंद की चादर श के नाम से सम्मान से याद किया जाता है, के सबसे बड़े बलिदान, शांति के यूनिवर्सल संदेश और इंसानी मूल्यों पर रोशनी डाली गई। जाने-माने साहित्यकार और शीराज़ा पंजाबी के एडिटर, श्री पोपिंदर सिंह पारस , इस मौके पर चीफ गेस्ट के तौर पर आए और गुरु की बेमिसाल शहादत पर अपने विचार शेयर किए। प्रोग्राम में डॉ. दीपिका गुप्ता, डॉ. नीरू समेत सीनियर फैकल्टी मेंबर्स शामिल हुए। ढल्ला , डॉ. सविता जामवाल और डॉ संध्या रानी और अलग-अलग डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स।

प्रो. जगमोहन सिंह ने इस एक दिन के सेमिनार में आए मेहमानों का स्वागत किया। प्रोग्राम की शुरुआत फूलों की श्रद्धांजलि से हुई, जिसके बाद स्टूडेंट्स ने पंजाबी, हिंदी, इंग्लिश और डोगरी में भाषण और कविताएँ दीं , जिसमें गुरु की हिम्मत, नेकी और इंसानी इज्ज़त की रक्षा की शिक्षाएँ बताई गईं। ळक्क अखनूर के जिन स्टूडेंट्स ने इस इवेंट में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, उनमें दलबीर सिंह भी शामिल थे। कौर , हरनीत कौर , रितिका शर्मा, साक्षी शर्मा, अंखिलदीप सिंह, शरणजीत कौर , मोनिका देवी, कुशम सिंह, जानवी शर्मा, जसबिंदर सिंह, सानिया और संतीश कौर । उनकी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को समृद्ध किया और गुरु तेग की विरासत के प्रति गहरी श्रद्धा दिखाई। बहादुर जी .

अखनूर की प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) रोमिला के दूरदर्शी मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। मल्ला भट्ट । कॉलेज को बेहतर बनाने के लिए उनका कमिटमेंट इंस्टीट्यूशन के स्टैंडर्ड को ऊपर उठाता रहता है। उन्होंने पंजाबी डिपार्टमेंट, कल्चरल कमेटी और जम्मू-कश्मीर एकेडमी ऑफ़ आर्ट, कल्चर एंड लैंग्वेजेज़ के मिलकर किए गए ऐसे अच्छे इवेंट्स ऑर्गनाइज़ करने की तारीफ़ की, जिससे स्टूडेंट्स के मन को प्रेरणा मिली। उन्होंने यह भी बताया कि गुरु तेग की शिक्षाएँ बहादुर जी आज भी इंसानियत को सच्चाई, दया और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए प्रेरित करते रहते हैं। डॉ. अंजू इस मौके पर सीनियर फैकल्टी मेंबर बाला ने भी अपने विचार शेयर किए। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, उन्होंने गुरु तेग की हमेशा रहने वाली अहमियत पर ज़ोर दिया। बहादुर आज के समय में समाज में जी का संदेश । हौसला बढ़ाने के लिए, जम्मू और कश्मीर एकेडमी ऑफ़ आर्ट, कल्चर एंड लैंग्वेजेज़, जम्मू ने हिस्सा लेने वाले स्पीकर्स को सम्मानित किया। प्रोग्राम पंजाबी डिपार्टमेंट के हेड प्रो. जगमोहन सिंह ने किया। डोगरी डिपार्टमेंट के प्रो. गोपाल सिंह ने फॉर्मल वोट ऑफ़ थैंक्स कहा।

जम्मू में पहली चूना पत्थर ब्लॉक नीलामी शुरू होगी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी चूना पत्थर खनिज ब्लॉकों की पहली नीलामी का नेतृत्व करेंगे, जिसे सोमवार को यहां एक रोड शो के साथ औपचारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा , एक अधिकारी ने कहा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर अधिकारी ने कहा कि चौधरी भी इस इवेंट में शामिल होंगे, जो केंद्र-राज्य की मज़बूत पार्टनरशिप और इलाके के लिए इस पहल की स्ट्रेटेजिक अहमियत को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह मील का पत्थर 2015 में माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेग.ुलेशन) एक्ट (डडक्ट एक्ट) के तहत शुरू किए गए माइनिंग सुधारों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। कानून लागू होने के बाद से यह केंद्र शासित प्रदेश में होने वाला पहला माइनिंग ब्लॉक ऑक्शन भी है, जो मिनरल सेक्टर में ट्रांसपेरेंसी, कॉम्पिटिटिवनेस और सस्टेनेबल डेवलपमेंट की ओर बदलाव का संकेत देता है । अनंतनाग , राजौरी और पुंछ जिलों में लगभग 314 हेक्टेयर में फैले कुल सात चूना पत्थर ब्लॉक की पहचान की गई है । अधिकारी ने कहा कि यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क क्लासिफिकेशन (न्छथ्ब्) के मिनरल एक्सप्लोरेशन के ळ3 (प्रॉस्पेक्टिंग) ळ4 (टोही) स्टेज के तहत कैटेगराइज़ किए गए इन डिपॉज़िट में सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन और दूसरे इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए ज़रूरी हाई-क्वालिटी लाइमस्टोन की काफ़ी संभावना है।

यह नीलामी एमएमडीआर अधिनियम की धारा 11 की उपधाराओं (4) और (5) के तहत आयोजित की जाएगी, जिससे केंद्र सरकार उन मामलों में प्रक्रिया को सुविधाजनक बना सकेगी जहां राज्य या केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन प्रक्रियात्मक सीमाओं का सामना करते हैं। उन्होंने कहा कि यह तरीका कोऑपरेटिव फ़ेडरलिज़्म के सिद्धांतों को दिखाता है, जो समय पर लागू करने और सुधार को लागू करने को पक्का करता है। उन्होंने कहा कि माइंस मिनिस्ट्री एक ट्रांसपेरेंट, टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड और कॉम्पिटिटिव ऑक्शन प्रोसेस करने के लिए कमिटेड है, जिसमें नेशनल एनवायरनमेंटल गाइडलाइंस के साथ सस्टेनेबल माइनिंग पर खास फोकस होगा। "इस पहल से नौकरियां पैदा होने, रेवेन्यू बढ़ने, इंडस्ट्रियल विस्तार और लोकल कम्युनिटी के लिए नए आर्थिक मौके मिलने की उम्मीद है — इससे जम्मू-कश्मीर के विकास की रफ़्तार बढ़ेगी और विकसित भारत 2047 के नेशनल विज़न में मदद मिलेगी।"

जल संरक्षण के लिए जेएमसी का बड़ा कदम : वार्ड 68 में तालाबों को फिर से ज़िंदा किया जाएगा और स्ट्रीटलाइट को बढ़ावा दिया जाएगा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (श्रडब्) शहर भर में पारंपरिक पानी की जगहों को बचाने, उन्हें ठीक करने और फिर से ज़िंदा करने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। इसी कमिटमेंट को दिखाते हुए, आज शिव के पास पुराने पानी के तालाब के बचाव के लिए नींव का पत्थर रखकर एक बड़ा कदम उठाया गया। वार्ड नंबर 68, ग्रेटर कैलाश (लेन नंबर 27) में मंदिर । समारोह का नेतृत्व डस्। डॉ. नरिंदर सिंह ने किया, जिसमें डॉ. देवांश की गरिमामयी मौजूदगी थी। यादव , कमिश्नर, जम्मू नगर निगम।

डस्। डॉ. नरिंदर सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए, लोगों से पारंपरिक पानी के सोर्स को बचाने में एक्टिव रूप से हिस्सा लेने की अपील की। आज के समय में पानी बचाने की अहमियत पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने लोगों से ग्राउंडवॉटर लेवल को बेहतर बनाने में मदद के लिए रेनवॉटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए कहा।

उन्होंने सभी से ऐसे सस्टेनेबल तरीकों में योगदान देने की अपील की जो कुदरती पानी के सोर्स की लंबी उम्र पक्का करते हैं।

वार्ड के विकास कार्यों के तहत कमिश्नर डॉ. देवांश ने वार्ड के विकास कार्यों की जानकारी दी।

यादव ने अलग-अलग जगहों पर लगाने के लिए 300 स्ट्रीटलाइट भी दीं। इकट्ठा हुए लोगों को संबोधित करते हुए, डॉ. यादव ने पारंपरिक तालाबों के गहरे सांस्कृतिक और इकोलॉजिकल महत्व पर ज़ोर दिया, और कहा कि ये पानी की जगहें ऐतिहासिक रूप से ज़रूरी कम्युनिटी रिसोर्स के तौर पर काम करती रही हैं।

उन्होंने ऐसी पुरानी जगहों को ठीक करने के लिए श्रडब् के समर्पण को दोहराया और लोगा.े से अपील की कि वे इन पानी के सोर्स में कचरा या वेस्ट डालकर उन्हें गंदा न करें। उन्होंने लोगों को दी जा रही सुविधाओं का फ़ायदा उठाने और उनके सही रखरखाव और बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए बढ़ावा दिया। डॉ. यादव ने इलेक्ट्रिक विंग के अधिकारियों को वार्ड में अंधेरे हिस्सों की पहचान करके उन्हें रोशन करने का भी निर्देश दिया, खासकर उन इलाकों में जहां महिलाआ.ें, बुजुर्गों और बच्चों को रात में परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द स्ट्रीटलाइट लगाने से सुरक्षा बेहतर होगी और शरारती तत्वों, नशेड़ियों और दूसरे उपद्रवियों की गति.विधियों पर रोक लगेगी।

में संयुक्त आयुक्त (निर्माण) फिरदौस अहमद काजी , कार्यकारी अभियंता डिवीजन 5, इंजी. नियर यासिर की उपस्थिति देखी गई बशीर किचलू , एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (इलेक्ट्रिक) इंजीनियर सिमर पाल सिंह, चीफ ट्रांसपोर्ट ऑफिसर धर्मवीर सिंह, स्थानीय लोग, सीनियर सिटिज़न , महिलाएं और कई दूसरे जाने-माने लोग मौजूद थे, सभी ने इस पहल के लिए अपना सपोर्ट जताया।

जम्मू में किराएदार वेरिफिकेशन गाइडलाइंस का उल्लंघन करने पर दो मकान मालिकों पर केस दर्ज किया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पुलिस ने बताया कि रविवार को यहां अपने किरायेदारों के वेरिफिकेशन के लिए उनकी डिटेल्स न देने के आरोप में दो मकान मालिकों पर केस दर्ज किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, ै पुरा पुलिस स्टेशन को सूचना मिली कि दो मकान मालिकों ने बिना ज़रूरी पुलिस वेरिफिकेशन के अपने घर में किराएदारों को रखा है।

राकेश द्वारा जारी निर्देशों का साफ उल्लंघन है। मिन्हास ने सभी मकान मालिकों को अपने किराएदारों को रहने देने से पहले संबंधित पुलिस स्टेशन में उनका वेरिफिकेशन कराना ज़रूरी कर दिया है।

कि शुरुआती जांच में पता चला कि द्रवटे गांव के आरोपी महमूद अहमद और लेख राज ने पुलिस स्टेशन में वेरिफिकेशन डिटेल्स जमा किए बिना अपनी प्रॉपर्टी कई किराएदारों को किराए पर दे दी थी।

भारतीय दंड संहिता की धारा 223 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्याय उन्होंने कहा कि संहिता और आगे की जांच चल रही है।

पुलिस ने आम लोगों से क्ड की तरफ से जारी टेनेंट वेरिफिकेशन गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने की अपील की है, और चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर कानून के संबंधित नियमों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू पुलिस नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी की पहल ने पूरे देश में शासन की गति बदल दी : रेखा महाजन

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की वाइस प्रेसिडेंट और सांबा जिले की प्रभारी, रेखा महाजन ने आज सांबा जिले के नुड ब्लॉक में एक ऑर्गेनाइज़ेशनल मीटिंग की अध्यक्षता की, जिसमें पार्टी की चल रही एक्टिविटीज़ का रिव्यू किया गया और ज़मीनी स्तर पर जुड़ाव को मज़बूत किया गया। ज़िला जनरल सेक्रेटरी राकेश सम्याल, मंडल प्रेसिडेंट सुरिंदर सिंह, सीनियर नेताओं, लोकल रिप्रेज़ेंटेटिव और बूथ-लेवल के वर्कर्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया, और पार्टी के ऑर्गेनाइज़ेशनल लक्ष्यों के प्रति अपना कमिटमेंट दोहराया। मीटिंग के दौरान बोलते हुए, रेखा महाजन ने संकल्प अभियान को गवर्नेंस को लोगों के करीब लाने और देश बनाने में मिलकर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करने वाला एक मज़बूत प्लेटफ़ॉर्म बताया। उन्होंने कहा कि यह कैंपेन डेवलपमेंट, सोशल ज़िम्मेदारी और पब्लिक वेलफेयर के प्रति कमिटमेंट की भावना को मज़बूत करता है। रेखा ने कहा, "संकल्प अभियान साफ़-सुथरे गांवों, मज़बूत परिवारों और ट्रांसपेरेंट गवर्नेंस के लिए मिलकर काम करने के हमारे इरादे को मज़बूत करता है," उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसी कोशिशें यह पक्का करने में मदद करती हैं कि सरकारी स्कीमों का फ़ायदा हर घर तक अच्छे से और सही तरीके से पहुंचे। रेखा महाजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डेवलपमेंट पर आधारित विज़न की तारीफ़ करते हुए कहा, "मोदी जी की कोशिशों ने पूरे देश में गवर्नेंस की रफ़्तार बदल दी है। वेलफेयर स्कीमों से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने तक, हर प्रोग्राम का मकसद आम नागरिक को मज़बूत बनाना है।"

उन्होंने बताया कि सोशल वेलफेयर, डिजिटल गवर्नेंस, महिला एम्पावरमेंट, बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट और युवाओं की बेहतरी की बड़ी योजनाओं को जम्मू-कश्मीर में लोगों से ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिला है।

रेखा महाजन ने बिहार चुनाव में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन का भी स्वागत किया और "डल फैक्टर" के असर का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, "बिहार के लोगों ने एक बार फिर मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा दिखाया है। डल फैक्टरकृ युवाओं के तौर-तरीके और पिछड़े लोगों का एम्पावरमेंटकृने इस जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

रिद्धिमा स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया ने कठुआ में आयोजित की रन फॉर नेशन रैली, बच्चों ने लगाए भारत माता की जय के नारे

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : रिद्धिमा स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया की ओर से कठुआ शहर में रन फॉर नेशन कृ नेशनल इंटीग्रेशन के थीम पर एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। यह रैली शहीदी भगत सिंह पार्क से प्रारंभ होकर जिला खेल मैदान कठुआ तक निकाली गई।

रैली में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया और देशभक्ति से सराबोर होकर "भारत माता की जय" तथा "वंदे मातरम" के नारे लगाए।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि जिला आयुक्त कठुआ ने हरी झंडी दिखाकर की। इस अवसर पर उन्होंने कहाकृ

"बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाना और उन्हें राष्ट्रीय एकता के महत्व से अवगत कराना हमारा दायित्व है। रिद्धिमा स्पोर्ट्स क्लब की यह पहल प्रशंसनीय है।"

जिला आयुक्त ने क्लब अध्यक्ष अजय शर्मा को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय–समय पर आयोजित होने चाहिए, ताकि नई पीढ़ी में देशहित, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

इसी दौरान कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने मीडिया से बातचीत में कहाकृ

"आज देश में राष्ट्रहित की सरकार है और यह हमारा दायित्व है कि हम बच्चों में देशभक्ति की भावना को विकसित करें ताकि वे आगे चलकर देश निर्माण में सार्थक भूमिका निभा सकें।"

रैली के समापन पर क्लब अध्यक्ष अजय शर्मा ने जिला प्रशासन और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहाकृ

"क्लब का उद्देश्य बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना और उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना है। भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रहेंगे।"

ट्रैवल को बनाएँ शानदार और स्मार्ट तरीके से करें शॉपिंग!

ऐसे सर्वोत्तम क्रेडिट कार्ड, जो हर बार खर्च करने पर सबसे ज़्यादा रिवॉर्ड देते हैं

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : साल 2025 धीरे–धीरे समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, और ऐसे मौके पर ज्यादातर लोगों की चाहत यही होती है कि जल्दी से छोटा ब्रेक लेकर कहीं घूमने जाएँ या लंबे इंतजार के बाद वेकेशन पर जाएँ। इस लिहाज से देखा जाए तो इसका सीधा नाता ट्रैवल बु. िकंग, होटल बुकिंग, नए–नए कपड़े तथा सफर के लिए ज़रूरी चीज़ें खरीदने से है। ऐसे वक्त पर, घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह चुनने की तरह अपने खर्चों को समझदारी से संभालना भी उतना ही ज़रूरी हो जाता है। इसलिए सही क्रेडिट कार्ड का होना बहुत मायने रखता है, जो सुविधाजनक होने के साथ–साथ विशेष रिवॉर्ड देकर आपके सफर और खरीदारी के अनुभव को बेहतर बनाते हैं। एसबीआई कार्ड भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है, जो आपके हॉलिडे की योजनाओं और शॉपिंग के अनुभव को और भी फायदेमंद बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए अपने काड्र्स के जरिए ट्रैवल और लाइफस्टाइल पर ढेर सारी सुविधाओं की पेशकश करती है। चाहे आप एयर माइल्स, एयरपोर्ट लाउंज की सुविधा, कैशबैक, या मशहूर ब्रांडों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स की तलाश में हों, या फिर डाइनिंग पर खास ऑफ़र, या ईंधन पर बचत करना चाहते हों, ये क्रेडिट कार्ड सुविधाजनक होने के साथ–साथ किफायती भी हैं। आइए नीचे दिए गए क्रेडिट काड्र्स के कुछ सर्वोत्तम विकल्पों पर एक नज़र डालें, जो आने वाली छुट्टियों के इस सीज़न में ज़्यादा बचत करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट

एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट किसी भी सफ़र के अनुभव को साधारण से बेमिसाल बना देता है, और यह उन लोगों के लिए सबसे बेहतर साथी है, जो लग्जरी के साथ–साथ काम आने वाली सुविधाओं का आनंद लेना चाहते हैं। ये कार्ड लेते समय और सालाना शुल्क के रूप में आपको ध्4,999 का भुगतान करना पड़ता है, जिसमें आपको 5,000 ट्रैवल क्रेडिट मिलते हैं।

इन क्रेडिट का इस्तेमाल आप फ्लाइट एवं होटल की बुकिंग आदि के लिए कर सकते हैं और अपने अगले ट्रिप को शानदार बना सकते हैं। इस कार्ड के साथ प्रायोरिटी पास मेंबरशि. िप, मुफ्त में 8 डोमेस्टिक लाउंज और 6 इंटरनेशनल लाउंज विज़िट की सुविधा मिलती है, साथ ही विदेश यात्रा करने वालों को 1. 99: का कम फ़ॉरेन करेंसी मार्कअप का भी फायदा मिलता है। फ़्यूल सरचार्ज में 1: की छूट से रोज़मर्रा की बचत में भी इज़ाफ़ा होता है। यह कार्ड दो और विकल्पों में, यानी एसबीआई कार्ड माइल्स प्राइम (रू2,999) और एसबीआई कार्ड माइल्स (रू1,499) भी उपलब्ध है।

इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट

इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट पर मिलने वाले प्रीमियम रिवॉड्र्स और सुविधाओं से आपके सफ़र का अनुभव और भी बेहतर हो जाता है। ये कार्ड लेते समय और सालाना शुल्क के रूप में आपको ध्4,999 (कर अति. रिक्त) का भुगतान करना पड़ता है, जिसमें आपको ढेर सारे ट्रैवल रिवॉर्ड और खास फायदे मिलते हैं। ट्रैवल पर मिलने वाले फायदों में बिना शुल्क के सालाना 8 डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज विज़िट (हर तीन महीने में 2 बार) और सालाना 6 इंटरनेशनल लाउंज विज़िट (हर तीन महीने में 2 बार) की सुविधा मिलती है। इसके अलावा, आपके पूरे भारत में पेट्रोल पंपों पर ध्500 और ध्4,000 के बीच के ट्रांजैक्शन पर फ़्यूल सरचार्ज में 1: की छूट मिलती है। जो लोग सालाना कम शुल्क के भुगतान पर इसी तरह की सुविधाओं का लाभ उठाना चाहते हैं, उनके लिए इंडिगो एसबीआई कार्ड का बेस वेरिएंट ध्1,499 (कर अतिरिक्त) में उपलब्ध है। इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट आपके ट्रैवल को अधिक किफायती बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ज्यादा–से–ज्यादा रिवॉर्ड और लाउंज एक्सेस की चाह रखने वाले उन लोगों के लिए सबसे बेहतर विकल्प है, जो अक्सर यात्रा करते रहते हैं।

क्रिसफ्लायर एसबीआई कार्ड एपेक्स

क्रिसफ्लायर एसबीआई कार्ड एपेक्स पूरी दुनिया घूमने वालों और सिंगापुर एयरलाइंस से सफ़र करने वालों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो आपके लिए प्रीमियम सुविधाओं की दुनिया के दरवाजे खोलता है। ध्9,999 + टैक्स के सालाना शुल्क का भुगतान करने और 60 दिनों के भीतर अपना पहला ट्रांजैक्शन पूरा करने पर, आपको 10,000 क्रिसफ्लायर माइल्स दिए जाएंगे।

हर तीन महीने में बिना शुल्क के 2 डोमेस्टिक और इंटरनेशनल लाउंज विजिट के अलावा +99 की कीमत वाली प्रायोरिटी पास मेंबरशिप (प्रायोरिटी पास की सुविधाएँ केवल मुख्य कार्डधारक के लिए हैं और 2 साल तक मान्य रहती हैं) का फायदा भी मिलता है। इन सुविधाओं के अलावा, देश भर के सभी पेट्रोल पंपों पर ध्500 से ध्4,000 के बीच के ट्रांजैक्शन पर फ़्यूल सरचार्ज में 1: की छूट का लाभ उठाएँ, जिससे आपका सफ़र बेहद आसान, फ़ायदेमंद और बिना किसी मेहनत के सबसे खास बन जाएगा।

अगर आप इसका किफायती विकल्प चाहते हैं, तो क्रिसफ्लायर एसबीआई कार्ड ध्2,999 और टैक्स के शुरुआती शुल्क पर उपलब्ध है जो ट्रैवल में कई तरह के फायदे देता है।

बीपीसीएल एसबीआई कार्ड ऑक्टेन

बीपीसीएल एसबीआई कार्ड ऑक्टेन को खास तौर पर यात्रा करने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ईंधन की खरीद पर अधिकतम बचत प्रदान करता है, जिसम. ें 7.25: वैल्यू बैक, 6.25: के बराबर तुरंत मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स, और ध्4000 तक के ट्रांजैक्शन पर फ़्यूल सरचार्ज में 1: की छूट शामिल है। कार्डधारक किराने के सामानों, फिल्मों तथा डाइनिंग जैसी कैटेगरी में भी ज़्यादा रिवॉर्ड पा सकते हैं, जिससे उनकी हर ड्राइव फ़ायदेमंद बन जाती है।

हकीम यासीन ने घाटी के बाहर कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों पर हमलों की निंदा की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (च्क्थ्) के चेयरमैन और पूर्व मंत्री हकीम मोहम्मद यासीन ने शुक्रवार को घाटी के बाहर कई राज्यों में कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता जताई और इन घटनाओं को "बहुत दुर्भाग्यपूर्ण" बताया।

एक बयान में यासीन ने कहा कि दिल्ली ब्लास्ट एक बुरी घटना थी और इसके लिए चाहे कोई भी ज़िम्मेदार हो, इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए, लेकिन इसके बाद कश्मीरी स्टूडेंट्स, व्यापारियों और शॉल बेचने वालों को परेशान करना मंजूर नहीं है।

उन्होंने कहा, ष्मैंने हमेशा किसी भी तरह की हिंसा की निंदा की है। बेगुनाह लोगों को परेशान करना किसी भी चीज़ का हल नहीं है।

हकीम यासीन ने कहा कि जम्मू और कश्मीर ने हमेशा सेक्युलरिज़्म और सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखा है, और इस इलाके को "भारत का सिर" बताया।

उन्होंने कहा कि अलग–अलग राज्यों में छोटी–बड़ी घटनाएं होती रहती हैं, "लेकिन लोगों को उस तरह टारगेट नहीं किया जाता जैसे कुछ जगहों पर कश्मीरियों को परेशान किया जा रहा है।" उन्होंने सवाल किया कि कश्मीरियों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है : "जम्मू और कश्मीर बेशक भारत का अभिन्न अंग है, लेकिन देश के हर कोने में कश्मीरी लोगों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है?"

यासीन ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह से दखल देने और घाटी के बाहर कश्मीरियों की सुरक्षा पक्की करने की अपील की, खासकर इसलिए क्योंकि यह इलाका पहले से ही पहलगाम हमले जैसी दुखद घटनाओं से जूझ रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी घटनाओं से सिर्फ़ नफ़रत बढ़ती है और कश्मीरी व्यापारियों को आर्थिक नुकसान भी होता है। उन्होंने च्ड मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा से अपील की कि वे इन कामों के लिए ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई करें और यह पक्का करें कि उनकी पहचान हो और उन पर नज़र रखी जाए। उन्होंने कहा, "सरकार को देश भर में कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा करनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। जांच ज़रूरी है, लेकिन इसकी कीमत कश्मीरियों को परेशान करके नहीं होनी चाहिए।" श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में अचानक हुए धमाके का ज़िक्र करते हुए यासीन ने कहा कि हालांकि कई जानें चली गईं, लेकिन सरकार ने पूरी जांच का भरोसा दिया है, और "उम्मीद है कि सच जनता के सामने आएगा।"

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधिकता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू-कश्मीर में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II के तहत 124 सीमावर्ती गांवों का विकास किया जा रहा है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्म : जम्मू–कश्मीर में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के दूसरे फेज़ के तहत आठ जिलों के 43 बॉर्डर ब्लॉक में 124 स्ट्रेटेजिक गांवों के फोकस्ड डेवलपमेंट के लिए एक बड़ा रोडमैप तैयार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह जानकारी यहां चीफ सेक्रेटरी अटल डुल्लू की अध्यक्षता में हुई एक मीटिंग में शेयर की गई, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम–प्प (टटच्–प्प) की प्रोग्रेस और उसे लागू करने का आकलन किया गया।

उन्होंने कहा कि न्ज और ज़िला लेवल पर नोडल डिपार्टमेंट और अधिकारियों को बनाने के साथ–साथ जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (ळ।क) द्वारा स्क्रीनिंग कमेटियों के गठन के साथ एक मज़बूत इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम में उत्तरी कश्मीर के बारामूला, बांदीपोरा और कुपवाड़ा के बॉर्डर जिले और जम्मू डिवीज़न के सांबा, जम्मू, कठुआ, राजौरी और पुंछ शामिल हैं।

चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संतृप्ति प्राप्त करने के लिए 1,421 सीमावर्ती गांवों में एक व्यापक अंतर विश्लेषण किया गया है – पीएमजीएसवाई–प्ट के तहत सभी मौसम सड़क संपर्क, डिजिटल भारत निधि के तहत दूरसंचार संपर्क, आरडीएसएस के माध्यम से ऑन–ग्रिड बिजलीकरण और बीआईएनडी योजना के तहत टेलीविजन संपर्क।

प्रवक्ता ने कहा कि 1,378 गांवों को पहले ही रोड इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ा जा चुका है, जबकि च्डळैल्–प्ट के तहत 30 खास गांवों को कनेक्टिविटी के लिए प्रपोज़ किया गया है। साथ ही, मुश्किल इलाकों में कनेक्टिविटी को आसान बनाने के लिए नॉर्म्स में छूट मांगने के लिए 169 बस्तियों का सर्वे भी पूरा हो चुका है। टेलीकॉम कनेक्टिविटी के बारे में, मीटिंग में बताया गया कि ठैछस् ने 4ळ सैचुरेशन सर्वे में तेज़ी लाई है, जिसमें अभी चुने गए 98 वाइब्रेंट गांव कवर हो चुके हैं और बाकी शैडो एरिया, खासकर कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिलों में सर्विस बढ़ाने का प्लान चल रहा है, प्रवक्ता ने कहा। बिजली के बारे में उन्होंने कहा कि जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में 100 प्रतिशत बिजली पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को तुलैल वैली और कुपवाड़ा में पेंडिंग कामों को प्रायोरिटी देने का निर्देश दिया गया है, ताकि कुपवाड़ा में बाकी 1,402 घरों और बांदीपोरा में 2,574 घरों में ग्रिड कनेक्टिविटी पक्की हो सके।

प्रवक्ता ने कहा कि जानकारी और बातचीत के बीच की खाई को पाटने के लिए, खासकर बारामूला और कुपवाड़ा के बॉर्डर वाले ब्लॉकों में, जिन घरों में टीवी सेट हैं, उन्हें क्ज्भ की सुविधा देने की कोशिश की जा रही है।

प्रवक्ता ने कहा कि ज़िला नोडल अधिकारियों ने लोकल गवर्नमेंट डायरेक्टरी (स्ळक) कोड का वेरिफ़िकेशन पूरा कर लिया है और वे गांव के एक्शन प्लान को फ़ाइनल करने की प्रक्रिया में हैं, जिसमें गैप एनालिसिस के दौरान पहचानी गई गांव की खास ज़रूरतों के साथ विकास के कामों को जोड़ने के लिए जियो–टैगिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है।

फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के अलावा, टटच्–प्प फाइनेंशियल इन्क्लूजन, टूरिज्म को बढ़ावा देने और कल्चरल हेरिटेज के बचाव को भी प्राथमिकता देता है।

प्रवक्ता ने कहा कि रोडमैप में मेडिकल कैंप, अवेयरनेस कैंपेन और टूरिज्म से जुड़ी पहल शामिल हैं, जिनका मकसद लोकल इकॉनमी को बढ़ावा देना और नेशनल इंटीग्रेशन को मजबूत करना है।

श्रीनगर पुलिस ने घाटी में धोखाधड़ी और सोना चोरी के रैकेट का भंडाफोड़ किया; मुख्य महिला आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : अंतर–जिला धोखाधड़ी और चोरी के सोने के नेटवर्क पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, श्रीनगर पुलिस ने एक कुख्यात महिला जालसाज़ को उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। इस तरह, कश्मीर भर में महीनों से सोने के व्यापारियों को निशाना बना रहे एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है।

लाल बाज़ार थाना पुलिस ने एक बयान में बताया कि असमत जान उर्फ घ्घ्तब्बू नामक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जो लाल बाज़ार, सफाकदल, चदूरा, सोपोर और खीव (अवंतीपोरा) में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाज़ी के कई मामलों में वांछित थी। आरोपी लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रही थी और कानून प्रवर्तन से बचने के लिए अक्सर पश्चिम बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र और जम्मू के बीच अपना ठिकाना बदलती रहती थी।

इसमें कहा गया है कि विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर एसडीपीओ और जोनल एसपी की देखरेख में पुलिस स्टेशन लाल बाजार की पांच समर्पित टीमों ने निरंतर प्रयासों के बाद जालंधर (पंजाब) के होटल व्हाइट हाउस से उसे पकड़ लिया।

बयान में कहा गया है कि, कश्मीर घाटी के स्वर्ण संघ ने पहले ही पूरे क्षेत्र में स्वर्ण दुकानदारों के साथ धोखाधड़ी में उसकी बार–बार संलिप्तता पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। इस संबंध में, लाल बाज़ार पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 303(2) और 318(4) के तहत एफआईआर संख्या 42/2025 दर्ज की गई है।

नीना अंदोत्रा का कहानी संग्रह बिंदुलू एचएसएम नवलेखिन के लिए चुना गया तेज पुरस्कार

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : (फ़िलहाल अहमदाबाद में रह रही) की कहानीकार और कवि नीना अंदोत्रा को सालाना हिंदी साहित्य के सातवें एडिशन के लिए चुना गया है। मंडल नवलेखन तेज पुरस्कार–2024, हिंदी साहित्य द्वारा संचालित मंडल को यह अवॉर्ड उनके कहानी कलेक्शन श बिंदुलू श के लिए दिया जाएगा । यह अवॉर्ड स्वर्गीय श्री तेज की याद में मंडल की तरफ से दिया जाएगा। भान गुलाटी को उनके परिवार के सपोर्ट से 11,000 रुपये का कैश प्राइज़, एक नारियल और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

गौरतलब है कि 2018 से 2023 तक पिछले छह एडिशन में यह अवॉर्ड कुंवर सिंह को दिया गया है।

शक्ति सिंह (2018– कविता), सुमित सूदन (2019– कविता), काजल सूरी (2020– कविता), नरेश खजूरिया (2021– कविता), रजनीश गुप्ता (2022– नाटक), और राकेश अब्रोल (2023– कविता)। यह पहली बार होगा जब यह पुरस्कार किसी छोटी कहानी संग्रह के लिए दिया जाएगा।

मंडल की नॉमिनेटेड जूरी ने एकमत से तय किया । इस साल की जूरी में कवि–कहानीक. ार–आलोचक और हिंदी डिपार्टमेंट के पूर्व हेड, प्रोफेसर राजकुमार ; शॉर्ट स्टोरी राइटर–कवि और आयुर्वेदिक स्कॉलर, डॉ. आदर्श ; और हिंदी शॉर्ट स्टोरी राइटर और पूर्व प्रिंसिपल, प्रोफेसर किरण शामिल थीं। बख्शी।

कश्मीर टाइम्स के जम्मू कार्यालय पर जम्मू-कश्मीर पुलिस का छापा, एके राइफल के कारतूस बरामद

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर पुलिस की राज्य जाँच एजेंसी ने गुरुवार को देश विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में यहाँ कश्मीर टाइम्स के कार्यालय पर छापा मारा और एके राइफल के कारतूस और पिस्तौल के कुछ राउंड समेत अन्य सामान बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि प्रकाशन और उसके प्रमोटरों के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद एसआईए के अधिकारियों ने अखबार के परिसर और कंप्यूटरों की गहन तलाशी ली। उन्होंने बताया कि छापेमारी में एसआईए ने एके राइफल के कारतूस, पिस्तौल के कुछ राउंड और हथगोले के पिन समेत अन्य सामान जब्त किया। उन्होंने बताया कि प्रकाशन के प्रमोटरों से पूछताछ की जा सकती है।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315
पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मदन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

गलत व्याख्या युवाओं को गुमराह कर रही है : गौरव ने धार्मिक नेताओं से कट्टरपंथ का मुकाबला करने का आग्रह किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : दिल्ली लाल किला ब्लास्ट और आरोपी डॉ. उमर नबी के वायरल वीडियो पर, जिसमें धर्म के नाम पर "सुसाइड बॉम्बिंग" को सही ठहराने की कोशिश की गई थी, ठश्रच स्पोक्सपर्सन गौरव गुप्ता ने कड़े शब्दों में कहा कि इस्लाम में सुसाइड हराम (मना) है, और बेगुनाहों को मारना एक ष्बड़ा पापष् है। गुप्ता ने कहा कि यह वीडियो बढ़ते रेडिकलाइजेशन का एक खतरनाक संकेत है, जहां एक्सट्रीमिस्ट एलिमेंट्स जानबूझकर धार्मिक शिक्षाओं को तोड़–मरोड़कर पेश करते हैं ताकि आसानी से समझ आने वाले युवाओं को गुमराह किया जा सके।

गुप्ता ने साफ़–साफ़ कहा कि इस्लाम में सुसाइड की सख्त मनाही है, और सुसाइड बॉम्बिंग हराम है, यह बात सभी बड़े धर्मों पर लागू होती है।

"कोई भी धर्म – चाहे इस्लाम हो, हिंदू धर्म हो, सिख धर्म हो या ईसाई धर्म – ऐसी हिंसा को सपोर्ट नहीं करता। कुछ गुमराह लोगा. ॅ को पूरे शांतिप्रिय समुदाय को दोषी ठहराने की इजाज़त नहीं दी जा सकती।"

आरोपी को "सुसाइड बॉम्बर" कहते हुए गुप्ता ने कहारू "डॉ. उमर नबी ने युवाओं को गुमराह करने के लिए एक ज़हरीली और मनगढ़ंत कहानी फैलाई। कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता, असली खतरा उन लोगों से है जो जानबूझकर धार्मिक ग्रंथों को कट्टरपंथी मकसदों के लिए तोड़–मरोड़कर पेश करते हैं।"

उन्होंने धर्मगुरुओं, इमामों, मौलवियों, विद्वानों, पादरियों और सभी कम्युनिटी लीडर्स से ज़िम्मेदारी लेने और धर्म का सही और शांतिपूर्ण मतलब बताकर ऐसी गलत जानकारी का एक्टिवली मुकाबला करने की अपील की।

उदाहरण देते हुए और दुनिया भर में तुलना करते हुए, गुप्ता ने सऊदी अरब की ओर इशारा किया, जो एक समय बहुत ज़्यादा कट्टरपंथ का सामना कर रहा था, लेकिन जानकारों, धार्मिक अधिका. रियों और समाज के एकजुट होकर इस ट्रेंड को बदल दिया।

"सऊदी अरब ने इस चुनौती को तब पार किया जब उसके विद्वान और समाज एक साथ आए। भारत को भी इसी तरह की स्पष्टता और सामूहिक संकल्प के साथ जवाब देना चाहिए।"

"यह किसी कम्युनिटी पर हमला करने के बारे में नहीं है। यह हमारी युवा पीढ़ी को बचाने के बारे में है। रेडिकलाइज़्ड लोगों को लाखों शांतिप्रिय नागरिकों की इमेज खराब करने की इजाज़त नहीं दी जानी चाहिए।"

गुप्ता ने ।प्डप्ड चीफ असदुद्दीन ओवैसी के वीडियो की सबके सामने बुराई करने का भी स्वागत किया। ओवैसी ने साफ–साफ कहा कि "इस्लाम में सुसाइड हराम है" और इस काम को "टेररिज्म और कुछ नहीं" कहा। गुप्ता ने कहा कि ऐसी क्लैरिटी ज़रूरी है और यह दिखाती है कि लड़ाई रेडिकलाइजेशन के खिलाफ है, किसी धर्म के खिलाफ नहीं।

गुप्ता ने बाहरी ताकतों, खासकर जैश–ए–मोहम्मद जैसे पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों के बारे में कड़ी चेतावनी दी, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे भारत के अंदर कट्टरपंथी बातें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। "पाकिस्तान अपने टेरर नेटवर्क के ज़रिए रेडिकल सोच फैला रहा है। उनका प्रोपेगैंडा तभी फलता–फूलता है जब भारत के अंदर कुछ व्हाइट–कॉलर समर्थक एक्सट्रीमिस्ट सोच को बढ़ावा देते हैं।" जल्दी से अंदरूनी सुधार के कदम उठाने की मांग करते हुए गुप्ता ने कहारू "भारत को एक श्ऑपरेशन इंडोर्सश् की ज़रूरत है, जो एक नेशनल मिशन है ताकि समुदाय या बैकग्राउंड की परवाह किए बिना, कट्टरपंथी सोच की पहचान की जा सके, उनका सामना किया जा सके और उन्हें ठीक किया जा सके।"

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश की एकता और देश की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता, और भारत न तो अंदरूनी कट्टरपंथियों को और न ही बाहरी दुश्मनों को शांति को अस्थिर करने की इजाज़त दे सकता है। गुप्ता ने एक दमदार मैसेज के साथ बात खत्म की; "आतंक का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन आतंकवादी धर्म का गलत इस्तेमाल करते हैं।

एक समाज के तौर पर, हमें यह पक्का करने के लिए एक साथ खड़ा होना चाहिए कि कोई भी युवा ज़हरीली सोच से गुमराह न हो। आज, देश की एकता और देश की सुरक्षा हर दूसरी बात से ऊपर होनी चाहिए।"

अशोक कौल ने किश्तवाड़ बीजेपी से लोगों की भलाई के लिए काम करने को कहा

सबका जम्मू कश्मीर

किश्तवाड़ : भारतीय जनता पार्टी जिला किश्तवाड़ ने अपने अध्यक्ष रवि परिहार के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय, किश्तवाड़ में एक संगठनात्मक समीक्षा बैठक की।

श्र–इ बीजेपी के जनरल सेक्रेटरी (ऑर्गनाइज़ेशन) अशोक कौल ने मीटिंग की अध्यक्षता की, जिसमें ज़िला प्रभारी पवन शर्मा, सीनियर लीडर तारिक कीन और दूसरे बड़े पदाधिकारी मौजूद थे।

अपने भाषण में, अशोक कौल ने पूरे जिले में बीजेपी की पकड़ मज़बूत करने के लिए साफ़ और राजनीतिक तौर पर मज़बूत अपील की। उन्होंने कहा कि ठश्रच की सफलता उसके अनुशासित कैडर पर टिकी है, और अब यह ज़रूरी है कि हर कार्यकर्ता अपनी संगठन की ताकत को ज़मीन पर दिखने वाले, अहम एक्शन में बदले।

उन्होंने कहा, "बीजेपी प्रोपेगैंडा में नहीं, परफॉर्मेंस में विश्वास करती है। जब विपक्षी पार्टियां खोखली बातों में व्यस्त रहती हैं, तब हमारे कैडर को असली काम, असली आउटरीच और असली अकाउंटेबिलिटी दिखानी चाहिए, और लोगों की भलाई के लिए आउटरीच पक्का करना चाहिए।"

कौल ने डिस्ट्रिक्ट टीम को डायरेक्ट पब्लिक एंगेजमेंट बढ़ाने, मंडल, बूथ और गांव लेवल पर अपनी प्रेजेंस बढ़ाने और यह पक्का करने का निर्देश दिया कि पार्टी का मैसेज हर घर तक पहुंचे।

चल रहे कामों का रिव्यू करते हुए, कौल ने बूथ को मज़बूत करने और सरकारी वेलफेयर स्कीमों के बारे में जागरूकता फैलाने पर फिर से ध्यान देने को कहा। उन्होंने नेताओं को आत्मनिर्भर भारत, गांव–लेवल की एंटरप्रेन्योरशिप और लोकल प्रोडक्ट्स को अपनाने के लिए बढ़ावा दिया। उन्होंने आगे कैडर को वंदे मातरम के 150 साल और सरदार वल्लभभाई पटेल की याद में बूथ लेवल पर पूरे समर्पण के साथ मनाने का निर्देश दिया।

पवन शर्मा ने हर पंचायत में ठश्रच की पकड़ मजबूत करने के लिए बेहतर तालमेल, अनुशासन वाली रिपोर्टिंग और कार्यकर्ताओं के साथ लगातार बातचीत की बात कही। तारिक कीन ने जनता के मुद्दों को सुलझाने और वेलफेयर स्कीमों को समय पर पूरा करने में चुने हुए प्रतिनिधियों की भूमिका पर ज़ोर दिया।

रवि परिहार ने सभी ऑर्गनाइज़ेशनल निर्देशों के लिए पूरी तरह से कमिटमेंट की बात दोहराई और किश्तवाड़ के हर कोने में बीजेपी की पहुंच बढ़ाने का वादा किया।

श्रीनगर पुलिस ने अस्पतालों से आगे बढ़कर निरीक्षण अभियान चलाया; उर्वरक की दुकानों और कार डीलरों की तलाशी ली

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : सुरक्षा व्यवस्था को मज़बूत करने और नियामक मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समन्वित अभियानों की एक श्रृंखला के तहत, श्रीनगर पुलिस पिछले दो दिनों से चिकित्सा संस्थानों, रसायन और उर्वरक की दुकानों और कार डीलरशिप पर व्यापक निरीक्षण अभियान चला रही है, एक आधिकारिक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहाँ बताया।

इस कदम को एहतियाती कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिसके लिए एसएसपी (श्रीनगर) जीवी संदीप चक्रवर्ती द्वारा विशेष टीमें गठित की गई हैं।

जम्मू–कश्मीर पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर इस महीने ष्सफेदपोश आतंकष् मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और तीन डॉक्टरों समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि मामले की जाँच के दौरान अमोनियम नाइट्रेट की अनियमित बिक्री, पुरानी कारों की खरीद और डॉक्टरों द्वारा लॉकरों में हथियार छिपाने का मामला सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने एहतियाती कदम उठाए। अधिकारी के अनुसार, यह तलाशी गैरकानूनी गतिविधियों के लिए सुविधाओं और सामग्रियों के दुरुपयोग को रोकने की निरंतर प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है। श्रीनगर पुलिस ने लगातार दो दिनों तक विभिन्न अस्पतालों और जन स्वास्थ्य केंद्रों के लॉकर और भंडारण रैक की जाँच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई अवैध या खतरनाक सामग्री मौजूद न हो।

यह जाँच सफेदपोश गिरोह में एक डॉक्टर की पहले हुई गिरफ्तारी और अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज में उसके लॉकर में छिपी एक एके राइफल की बरामदगी के बाद की गई है।

प्रवक्ता के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ पुलिस टीमों ने तलाशी के दौरान अस्पताल के कर्मचारियों को याद दिलाया कि वे लॉकरों का उपयोग केवल आधिकारिक उद्देश्यों के लिए करें तथा उचित रिकॉर्ड बनाए रखें।

उन्होंने यह भी कहा कि अस्पतालों में सुरक्षित माहौल बनाए रखने के लिए इस तरह के निरीक्षण नियमित सतर्कता का हिस्सा होंगे। प्रवक्ता ने

बताया कि शुक्रवार को श्रीनगर पुलिस ने शहर के व्यावसायिक क्षेत्र पर भी ध्यान केंद्रित किया और शहर भर में रासायनिक और उर्वरक की दुकानों का गहन निरीक्षण किया। पुलिस दल ने स्टॉक और बिक्री रिकॉर्ड के उचित रखरखाव, थोक खरीदारों के लिए पहचान सत्यापन प्रक्रियाओं, संभावित सुरक्षा निहितार्थों वाली सामग्रियों के सुरक्षित भंडारण के साथ–साथ लाइसेंस की वैधता और नियामक मानदंडों के पालन की भी जाँच की।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीमों ने दुकान मालिकों को सुरक्षा उपाय बढ़ाने की ज़रूरत के बारे में भी जानकारी दी और उन्हें किसी भी संदिग्ध लेनदेन की तुरंत सूचना देने और पूरी पारदर्शिता बनाए रखने को कहा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स का प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह एवं पत्रकार सम्मेलन संपन्न

सबका जम्मू कश्मीर

भोपाल। बैतूल के बीआरसी भवन में प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स का प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह एवं पत्रकार सम्मेलन संपन्न हुआ। बैतूल पत्रकार इकाई द्वारा इस कार्यक्रम की मेजबानी की गई इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए 100 से अधिक पत्रकारों का सम्मान किया गया कार्यक्रम में उत्कृष्ट समाजसे. वियों उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं का भी सम्मान मंच से किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर खालिद कैस द्वारा की गई विशेष अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष शरद मिश्रा थे, डिजिटल मीडिया के राष्ट्रीय सचिव शाहब मलिक, संगठन की राष्ट्रीय संगठन सचिव रेखा सोलंकी दिल्ली मंच. ासीन रही ।

कार्यक्रम का संचालन बैतूल टीम के वरिष्ठ सदस्य अफसर खान तरहां, राजेश खडसे द्वारा किया गया।

सम्मान समारोह में हरदा के वरिष्ठ पत्रकार मोइन अख्तर, डिजिटल मीडिया प्रदेश अध्यक्ष सुनील योगी, हैदराबाद के वरिष्ठ पत्रकार श्री मीर मोहम्मद अली, करीमनगर के वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद शिराज,देवास के डी एल चौहान, अरविंद सिंह लोधी, राजेंद्र योगी, राजू देवड़ा, राजा अजमेर, सुनील वर्मा, जहीरुद्दीन शेख उज्जैन, मनोज जोशी सहित शाजापुर इंदौर भोपाल धार सहित दूसरे राज्यों से आए पत्रकारों का सम्मान मंच द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती पूजन से की गई। मंच अतिथियों द्वारा बैतूल जिला इकाई की पूरी टीम को सम्मानित किया गया। अतिथि उद्‌बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सैयद खालिद कैस ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि विगत दिनों पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए उनके आह्वान पर प्रदेश सहित देश के अन्य राज्य के पत्रकारों ने राष्ट्रपति को मेल के जरिए ज्ञापन प्रस्तुत किया गया लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण व्यवस्था में वहां से जवाब आया कि यह उनके क्षेत्र का मामला नहीं है। फिर से उनके द्वारा अपील करते हुए कहा कि यह मामला वर्तमान केंद्र में चल रही सरकार के संज्ञान में लाया जाए और कानून बनाया जाए।संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ शरद मिश्रा ने पत्रकारों की एकजुटता पर बल देते हुए बताया कि अब आवश्यकता है कि संगठन को मजबूत करते हुए सभी पत्रकार साथी एक स्वर में पत्रकार सुरक्षा कानून की आवाज़ उठाएं। राष्ट्रीय सचिव रेखा सोलंकी ने अपने उद्‌बोधन में संगठन की गतिविधियां सतत रूप से चलती रहे इस पर ध्यान देने के लिए सभी पत्रकार साथियों से आह्वान किया डिजिटल मीडिया विभाग के राष्ट्रीय सचिव शाहब मालिक ने अपने स्वागत भाषण में संगठन की स्थापना से लेकर वर्तमान समय तक के क्रियाकलाप पर प्रकाश डाला।उन्होंने प्रदेश भर से आए तमाम पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रेस क्लब का वर्किंग जर्नलिस्ट्स का गठन 16 नवंबर 2018 को हुआ और आज सफलतम 7 वर्ष पूर्ण होने के बाद आठवीं वर्ष में यह सम्मेलन अपनी गरिमा अनुरूप संपन्न हुआ है। डिजिटल मीडिया के प्रदेश अध्यक्ष के सुनील योगी ने इस अवसर पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने पर ध्यान आकर्षण करते हुए कहा कि इस बहाने सभी पत्रकार साथी जो दूर दराज से आते हैं अधि. कतर मोबाइल पर ही चर्चा करते हैं। सम्मेलन के माध्यम से रूबरू मिलना हो जाता है और एक दूसरे की समस्या का निराकरण भी हो जाता है आने वाले समय में सदस्यता अभियान को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक सदस्य जोड़ने पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। समारोह के दौरान पत्रकार साथी मोइन अख्तर का जन्म दिवस केक काटकर मनाया गया। सभी साथियों ने उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की बाहर से आए पत्रकार साथियों की मेजबानी करते हुए बैतूल जिला इकाई अध्यक्ष इरशाद खान और उनकी टीम ने व्यवस्था में कोई कसर नहीं छोड़ी ।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष और अन्य भाजपा नेता कार्यक्रम में शामिल हुए दोपहर 3 बजे से शुरू हुआ कार्यक्रम देर शाम 7 बजे तक चलता रहा।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय संगठन महासचिव शशि दीप के सौजन्य से पूरे संगठन की ओर से बैतूल इकाई के यशस्वी आयोजकों को अध्यक्ष महोदय डॉ खालिद कैस के हाथों विशेष स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस सफल आयोजन के लिए सभी आगंतुकों एवं देश भर के संगठन पदाधिकारियों ने बैतूल टीम की भूरि–भूरि प्रसंशा की।

इंडियन सोसायटी फार बुद्धिस्ट स्टडीज के 25वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राजौरी निवासी डा. सुरेश कुमार सम्मानित

अनिल भारद्वाज

जम्मू/राजौरी : इंडियन सोसायटी फार बुद्धिस्ट स्टडीज (आई.एस.बी.एस.) के 25वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर नव नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार के बौद्ध अध्ययन विभाग में सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत एवं बौद्ध पर्यटन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. सुरेश कुमार को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं और अकाद. मिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनके दीर्घकालिक योगदान एवं अकादमिक उत्कृष्टता को दृष्टिगत रखते हुए प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि डा. सुरेश कुमार आतंक ग्रस्त जम्मू–कश्मीर के राजौरी सीमावर्ती जिला के एक दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र से संबंध रखते हैं। माटी के सपूत के रूप में अपनी पहचान बनाए रखने वाले डा. सुरेश कुमार ने सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय मुकाम हासिल कर यह सम्मान प्राप्त किया, जो न केवल उनके लिए बल्कि उनके क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय है।

विदित हो कि डा. सुरेश कुमार विगत 16 वर्षों से बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने शोध, शिक्षण एवं अकाद. मिक गतिविधियों के माध्यम से बौद्ध अध्ययन के विभिन्न आयामों को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान में वे राष्ट्रीय स्तर के एक उभरते हुए युवा विद्वान के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहे हैं।

डा. सुरेश कुमार ने देश–विदेश में आयोजित 60 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में सहभागिता की है तथा बौद्ध अध्ययन के विविध विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं।

उनके लगभग 30 शोधपत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा अब तक दो पुस्तकों का संपादन किया जा चुका है तथा बौद्ध शिष्टाचार विषय पर एक मौलिक पुस्तक का लेखन भी किया गया है।

अधिवेशन में उपस्थित विद्वानों एवं प्रतिनिधियों ने डा. सुरेश कुमार के इस सम्मान को उनके अकादमिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हीरानगर में संत सम्मेलन में पहुंचे धर्म पाल कुंडल, लिया साधु-संतों का आशीर्वाद

सबका जम्मू कश्मीर

हीरानगर, नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के ज़ोनल सचिव एवं हिरणगर विधानसभा के जम्मू ज़ोन इंचार्ज धर्म पाल कुंडल आज हीरानगर में आयोजित एक दिवसीय संत सम्मेलन में पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने श्री गुरु गुरदीप गिरी महाराज सहित उपस्थित सभी संत–महात्माओं का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिक माहौल में धार्मिक प्रवचन हुए और क्षेत्र की सुख–शांति, सौहार्द और समृद्धि के लिए प्रार्थनाएं भी की गईं।

कठुआ के साहित्यकार ओंकार पाधा 'कंचन' को जबलपुर में "साहित्य सरस्वती रमा आलोक सम्मान 2025" से सम्मानित

सबका जम्मू कश्मीर

जबलपुर/कठुआ। कादम्बरी संस्था, जबलपुर (मध्य प्रदेश) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय साहित्यकार अंतकरण सम्मान समारोह 2025 में कठुआ (जम्मू–कश्मीर) के प्रख्यात साहित्यकार ओंकार पाधा 'कंचन' को "साहित्य सरस्वती रमा आलोक सम्मान" से अलंकृत किया गया। यह आयोजन संस्कारधानी जबलपुर के शहीद स्मारक सभागृह में आयोजित हुआ, जिसमें देश–विदेश के प्रसिद्ध लेखक, कवि, गीतकार, समीक्षक, कथाकार व साहित्य प्रेमी शामिल हुए।

कार्यक्रम में कादम्बरी संस्था के संस्थापक एवं साहित्य शिरोमणि आचार्य भगवत दुबे, कई विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपति कृष्ण कुमार पांडे, वरिष्ठ साहित्यकार ओम नीरव, संस्था के महासचिव राजेश पाठक सहित अन्य साहित्यकारों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही।

सम्मान समारोह के दौरान कादम्बरी संस्था द्वारा ओंकार पाधा 'कंचन' को सम्मान राशि, सम्मान प्रतीक चिन्ह, शॉल, स्फटिक शिव और रुद्राक्ष प्रदान किए गए। मंच से उनके साहित्य में योगदान और भाषा–संस्कृति संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई।

इस उपलब्धि पर उपस्थित सभी साहित्यकारों और अतिथियों ने ओंकार पाधा 'कंचन' को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

लाल किले से कश्मीर तक हमला हमने किया, पीओके के पूर्व पीएम का कबूलनामा

नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किले के बाहर 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट की जांच अभी जारी है, लेकिन इसी बीच पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओ. के) के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक का एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है. इस वीडियो में हक न सिर्फ आतंकी हमले का खुला समर्थन करते दिखते हैं, बल्कि पाकिस्तान की सीधी भूमिका का दावा भी कर रहे हैं. उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है और भारत–पाक रिश्तों में नई तल्खी जोड़ रहा है.

वायरल वीडियो में चौधरी अनवारुल हक विधानसभा को संबोधित करते हुए कहते दिख रहे हैं कि, अगर बलूचिस्तान में खून बहता रहेगा तो हम भारत को लाल किले से लेकर कश्मीर के जंगलों तक जवाब देंगे और हमने दिया भी है. आज भी वे लाशें गिन रहे हैं.

सरकारी स्कूल की तस्वीर बदली : शिक्षक मंगत राम के प्रयासों से पठानकोट के पखड़ी पंचायत स्कूल ने प्राइवेट स्कूलों को दी टक्कर

सबका जम्मू कश्मीर

पठानकोट/बमियाल। देश की राजनीति में आम आदमी पार्टी उस विचारधारा के साथ उभरी थी जो खुद को आम कहकर आम जनता की आवाज़ बनने का दावा करती थी। दिल्ली में सत्ता संभालते ही शिक्षा मॉडल को बदलने वाली इस पार्टी ने पंजाब में भी एक नए अध्याय की शुरुआत की। इसी कड़ी में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में शिक्षा सुधारों की दिशा में किए गए प्रयास अब जमीनी स्तर पर रंग लाते दिख रहे हैं। इसी बदलाव की एक मिसाल है जिला तरनतारन से स्थानांतरित होकर पठानकोट के बमियाल ब्लॉक की पंचायत पखड़ी स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में पहुंचे शिक्षक मंगत राम। उनके प्रयासों से यह छोटा सा प्राथमिक स्कूल अब अपनी अलग पहचान बना चुका है।

स्कूल में प्रवेश करते ही महसूस होता है कि यह कोई साधारण सरकारी स्कूल नहीं है। दीवारें शिक्षा से जुड़ी आकृतियों, अक्षर ज्ञान, मात्राओं, संज्ञा, व्याकरण, पहाड़े, समय की इकाइयों और रंग–बिरंगे शिक्षण सामग्री से सजी हैं जो बच्चों के लिए पढ़ाई को आसान बनाती हैं। बाहरी मैदान में लगे छोटे–छोटे बोर्ड भी यही संदेश देते हैं कि शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं बल्कि वातावरण से भी प्राप्त होती है।

शिक्षक मंगत राम बताते हैं कि जब वे इस स्कूल में आए थे, तब यहां केवल कुछ ही विद्यार्थी पढ़ते थे। लेकिन स्कूल को संवारने और पढ़ाई को रुचिकर बनाने के बाद बच्चों की संख्या बढ़ी और उनका आत्मविश्वास भी।

झ "बच्चों को सीखने का माहौल देना जरूरी है। जब उनके आसपास सीखी जाने वाली चीजें मौजूद हों तो वे खेल–खेल में शिक्षा ग्रहण करते हैं,"

हीरानगर के सरकारी जी एल डी एम डिग्री कॉलेज में स्व. गिर्धारी लाल डोगरा की 38वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह

सबका जम्मू कश्मीर

हीरानगररू सरकारी जी एल डी एम डिग्री कॉलेज, हीरानगर में गुरुवार को प्रदेश के प्रख्यात नेता, पूर्व वित्त मंत्री और लोकसेवा के प्रतीक स्वर्गीय गिर्धारी लाल डोगरा की 38वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या, शिक्षकगण, गैर–शिक्षण कर्मचारी तथा छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। समारोह की शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम के दौरान उनके राजनीतिक जीवन, वित्तीय सुधारों तथा समाज और प्रदेश के विकास में उनके योगदान को स्मरण किया गया।

कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वर्गीय डोगरा जी सादगी, ईमानदारी और जनकल्याण की भावना के धनी थे। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा किए और उन्हें एक सच्चे जननेता के रूप में याद किया जिनका योगदान आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी है।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ और सभी उपस्थित लोगों ने उनके जीवन से सीख ग्रहण करने का संकल्प लिया।

सीएस डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में प्रमुख राजमार्गों और सुरंगों की प्रगति की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज प्रोजेक्ट बीकन, प्रोजेक्ट संपर्क, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल और लोक निर्माण (आर एंड बी) विभाग द्वारा जम्मू और कश्मीर में निष्पादित किए जा रहे प्रमुख राजमार्ग और सड़क विकास परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्य सचिव ने केंद्र शासित प्रदेश भर में निष्पादन के तहत सभी प्रमुख राजमार्गों पर प्रगति का परियोजना–वार और पैकेज–वार आकलन किया। उन्होंने पूरा होने की विस्तृत समयसीमा मांगी और निष्पादन एजेंसियों के सामने आने वाली बाधाओं के बारे में पूछताछ की।

उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण सामग्री की निकासी की अनुमति सख्ती से सुनिश्चित की जानी चाहिए और इसका उपयोग केवल निर्दिष्ट परियोजनाओं के लिए किया जाना चाहिए। उपायुक्तों को निर्देश दिया गया कि वे मुआवजे के मामलों में तेजी लाएं और सभी परियोजना पैकेजों पर एक साथ काम करने के लिए निष्पादन एजेंसियों को तुरंत जमीन सौंपने की सुविधा के लिए समय पर संवितरण सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रशासन सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा, लेकिन एजेंसियों को निर्धारित समय–सीमा का कड़ाई से पालन करना होगा। लोक निर्माण विभाग को निर्माणाधीन नई डीपीआर को अंतिम रूप देने और उसका पालन करने के लिए कहा गया ताकि ये महत्वपूर्ण परियोजनाएँ तेज़ी से निविदा और निष्पादन के चरणों में पहुँच सकें। श्रीनगर–बारामूला–उड़ी रोड, खानाबल–बालटाल रोड, पीर की गली और साधना सुरंगों के लिए संरेखण निर्धारण, अखनूर–पुंछ रोड (पूर्ण होने की स्थिति), छभ्–144। के लिए ड्रेजिंग अनुमति, मंगम–दूधपथरी–शोपियां–पुंछ रोड, दिल्ली–अमृतसर–कटरा एक्सप्रेसवे, कालू. चक–पुरमंडल–डोमेल रोड, चौथा तवी ब्रिज, जम्मू सहित कई प्रमुख सड़क गलियारों की व्यापक समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने सुरंग परियोजनाओं सहित छभ्–44 पर कार्यों में तेजी लाने पर विशेष ज़ोर दिया। उन्होंने पटनीटॉप होते हुए नाशरी–चेनानी सड़क, मारोग–डिगडोल सुरंग, डिगडोल से खुनी नाला सुरंग, मकरकोट से शेरबीबी सुरंग की प्रगति की समीक्षा की।

जम्मू में कश्मीर टाइम्स के ऑफिस में रेड, एके-47 की गोलियां और पिस्टल बरामद

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू में कश्मीर टाइम्स के ऑफिस में स्टेट इंवेस्टिगेटिंग एजेंसी (एसआईए) ने गुरुवार रेड की. एजेंसी ने छापेमारी में हथियार बरामद किए हैं. रेड के दौरान एके–47 की गोलियां, पिस्टल और ग्रेनेड का लिवर बरामद हुआ है. एजेंसी के अनुसार, एसआईए ने राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता और आतंकवादी विचारधाराओं का समर्थन करने के आरोप में कश्मीर टाइम्स अखबार के जम्मू स्थित मुख्य कार्यालय पर छापा मारा.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पत्रकार वेद भसीन द्वारा संचालित कश्मीर टाइम्स ने कुछ समय से जम्मू से अपने प्रिंट संस्करण का प्रकाशन बंद कर दिया है और अब यह मुख्य रूप से ऑनलाइन ही संचा. लित होता है. भसीन के निधन के बाद उनकी बेटी अनुराधा भसीन और उनके पति प्रबोध जामवाल ने अखबार की बागडोर संभाली थी. हालांकि, दोनों अमेरिका चले गए हैं और पिछले कुछ सालों से वहीं रह रहे हैं. इसकी वेबसाइट पर प्रबोध को संपादक और अनुराधा को प्रबंध संपादक बताया गया है.

छापेमारी सुबह करीब छह बजे शुरू हुई और एसआईए अधिका. रियों ने अखबार के प्रबंधक संजीव केरनी को कार्यालय खोलने के लिए उनके घर से बुलाया. जानकारी के मुताबिक इस न्यूजपेपर के खिलाफ कुछ दिन पहले एक एफआईआर दर्ज की गई है, जिस मामले में जांच की जा रही है.

बता दें कि इससे पहले कश्मीर टाइम्स न्यूज पेपर के जम्मू और कश्मीर दफ्तर में देश विरोधी कंटेंट लिखने पर छापेमारी होती रही है. फिलहाल ये पेपर पिछले कुछ महीनों से छपने बंद है. बता दें कि दिल्ली में 10 नवंबर के बाद ब्लास्ट से जम्मू समेत कई शहरों में छापेमारी चल रही है.

पुलिस अब तक कई लोगों को हिरासत में ले चुकी है. उनसे पूछताछ की जा रही है. पुलिस की जांच का केंद्र फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी है. डॉक्टर उमर, डॉ आदिल, डॉ मुजम्मिल और डॉ शाहीन के लिंक इस यूनिवर्सिटी से मिले, जिसके बाद पुलिस ने हाल ही में यहां छापेमारी की थी.

रेड पर कश्मीर टाइम्स ने कहा कि हमारे कार्यालय पर सुनियोजित कार्रवाई हमें चुप कराने की एक और कोशिश है. सरकार की आलोचना करना राज्य विरोधी होने के समान नहीं है. वास्तव में, यह बिल्कुल विपरीत है.

एक मज़बूत और सवाल उठाने वाला प्रेस एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ज़रूरी है.

सत्ता को जवाबदेह ठहराने, भ्रष्टाचार की जांच करने और हाशिए पर पड़ी आवाज़ों को बुलंद करने का हमारा काम हमारे देश को मज़बूत करता है, कमज़ोर नहीं करता.

हमें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि हम यह काम जारी रखे हुए हैं. ऐसे दौर में जब आलोचनात्मक आवाज़ें लगातार कम होती जा रही हैं, हम उन चंद स्वतंत्र माध्यमों में से एक हैं जो सत्ता के सामने सच बोलने को तैयार हैं.

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर
"पत्रकारों की आवश्यकता"
'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र
के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें
योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव
अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक सदेंश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन
MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संविधान की गरिमा और शहीदों की वीरगाथा का प्रतीक

सबका जम्मू कश्मीर

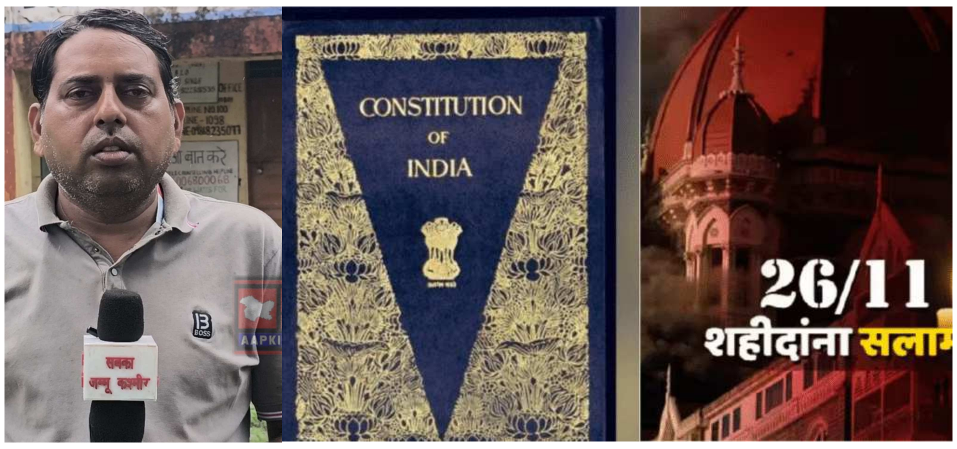

भारत के इतिहास में 26 नवंबर एक ऐसा दिन है जो हमें दो महत्त्वपूर्ण घटनाओं की याद दिलाता हैकृ

पहली, संविधान दिवस, जिसने देश को दिशा, अधिकार और लो. कतांत्रिक पहचान दी।

और दूसरी, 26/11 मुंबई आतंकी हमला, जिसने हमें उन अमर वीरों की याद दिलाई जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

संविधान दिवस का महत्व

26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान स्वीकार किया गया। यह सिर्फ कानूनों का दस्तावेज नहीं बल्कि भारत की आत्मा, मूल्यों और अधिकारों का आधार है। इसने हमेंकृ

बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्याय, समानता और स्वतंत्रता का हक, धर्म, संस्कृति और शिक्षा की सुरक्षा, और लो. कतांत्रिक ढंग से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की शक्ति दी।

संविधान ने हमें नागरिक होने का गर्व और अपने अधिकारों व कर्तव्यों को समझने का अवसर दिया। यह हमें याद दिलाता है कि हम एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और समृद्ध भारत के नागरिक हैं।

26/11कृशहादत और साहस की कहानी

इसी तारीख पर वर्ष 2008 में मुंबई पर हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिला दिया था। उन कठिन क्षणों में हमारे

सैनिक, पुलिस बल, एनएसजी कमांडो, और सुरक्षा एजेंसियाँ देश की रक्षा के लिए बिना डगमगाए आतंकियों के सामने डटकर खड़ी रहीं।

उन्होंने हमें यह विश्वास दिलाया किकृ

ष्आप चौन से सोइए, हम आपकी सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।ष

उन वीरों ने अपने साहस और बलिदान से लाखों लोगों की जान बचाई और दुनिया के सामने भारत की ताकत और एकता का संदेश दिया।

इन दोनों घटनाओं को नहीं भुलाया जा सकता

26 नवंबर हमें बताता है किकृ

संविधान हमें अधिकार देता है, और शहीद हमें सुरक्षा। संविधान हमारी लोकतांत्रिक पहचान है,

और सैनिक हमारी अस्तित्व की ढाल।

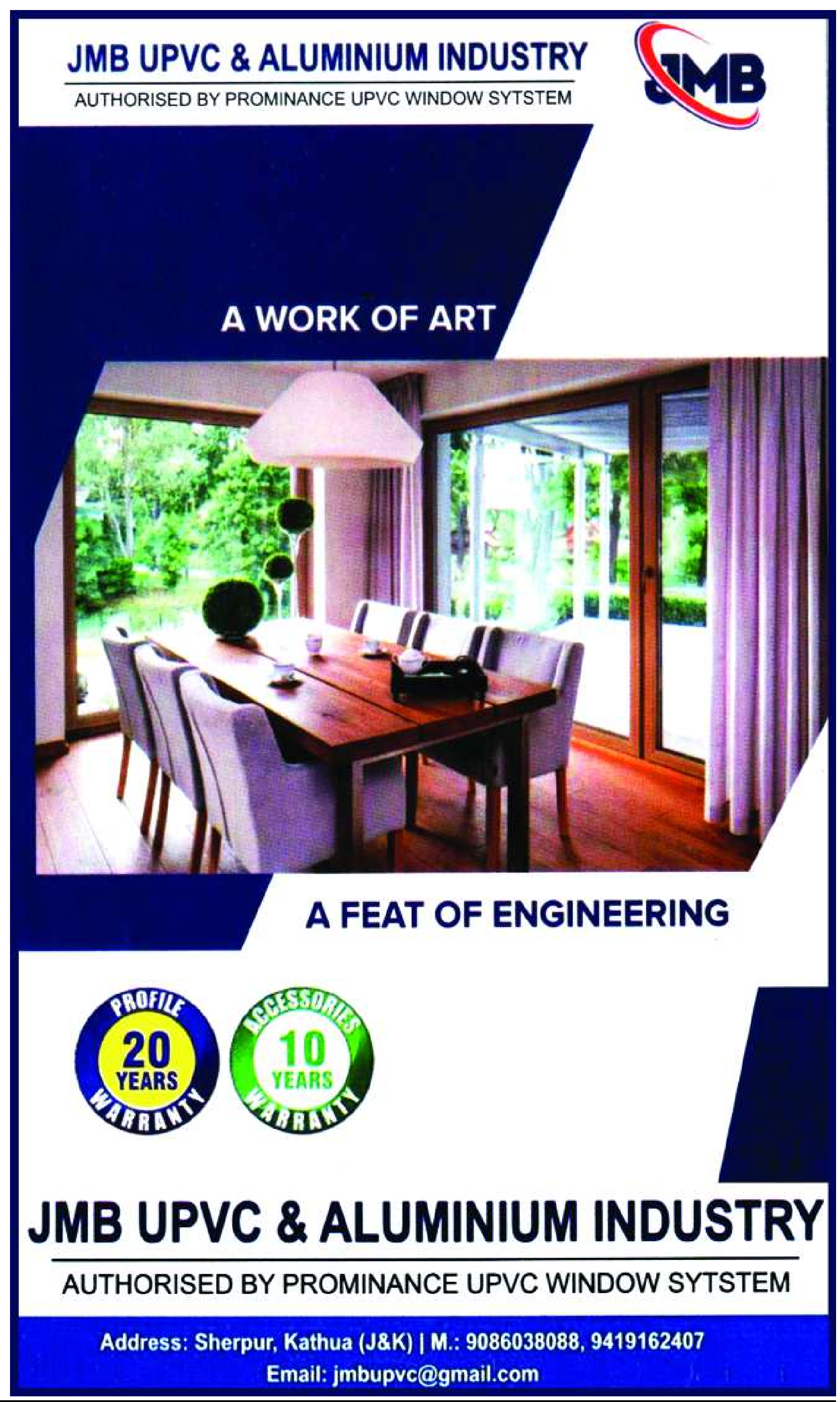

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नंः 184151 । संपादकः राज कुमार